संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | देहरादून, शनिवार, 24 फरवरी 2024 ₹ 1 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्ष: 15 अंक: 53 पृष्ठ: 08 | RNI : UTTHIN/2009/31653

actionindiaddn@gmail.com | उत्तराखण्ड संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विकास कार्यों के उद्घाटन के उपरांत जनता को संबोधित करते हुए।

कांग्रेस ने भाजपा पर लगाए हफ्ता वसूली के आरोप

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि निजी कंपनियों से भाजपा के लिए चंदा वसूलने के लिए जांच एजेंसियों का "दुरुपयोग" किया गया और इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि वित्तीय वर्ष 2018-19 और 2022-23 के बीच भाजपा को कुल लगभग 335 करोड़ रुपये का दान देने वाली कम से कम 30 कंपनियों को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कार्रवाई का सामना करना पड़ा। रमेश ने कहा कि कांग्रेस के संगठन प्रभारी महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शुक्रवार को इस मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा। रमेश ने यह भी पूछा कि क्या सरकार भाजपा के वित्त पर "श्वेत पत्र" लाएगी, न केवल स्रोतों पर, बल्कि यह भी बताएगी कि कैसे कॉर्पोरेट कंपनियों को उनके खिलाफ जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करके दान देने के लिए "मजबूर" किया गया था। उन्होंने पूछा, अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो क्या आप उन घटनाओं के 'क्रोनोलॉजी' पर बिंदु-दर-बिंदु खंडन पेश करने को तैयार हैं, जिनके कारण भाजपा का खजाना भर गया। रमेश ने कहा, यदि आप तथ्यात्मक स्पष्टीकरण देने को तैयार नहीं हैं, तो क्या आप भाजपा के लिए चंदा लूटने के इन संदिग्ध सौदों की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच के लिए खुद को पेश करने को तैयार हैं? उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की जरूरत है। रमेश ने कहा कि ये तीन सवाल कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल द्वारा सीतारमण को लिखे पत्र में पूछे गए हैं।

वित्त मंत्री को लिखे पत्र में पूछे कई सवाल: सीतारमण को लिखे अपने पत्र में, वेणुगोपाल ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग (आईटी), केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और अन्य ने उन उद्यमों पर छापा मारा या तलाशी ली और केंद्र के बाद भाजपा और कई कंपनियों के बीच कथित लेन-देन का खुलासा किया है, जिन्होंने एक अजीब संयोग में इसे दान दिया था। वेणुगोपाल ने वित्त मंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा, समाचार रिपोर्ट दान और अन्य पुख्ता सबूतों के संबंध में चुनाव आयोग के कई दस्तावेजों द्वारा प्रमाणित है। यह संस्थागत स्वतंत्रता, स्वायत्तता और केंद्रीय एजेंसियों आईटी, ईडी, सीबीआई की व्यावसायिकता पर गंभीर सवाल उठाता है। वेणुगोपाल ने कहा, तीन में से दो एजेंसियां वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में आती हैं। पूरा देश जानता है कि आपकी सरकार द्वारा जांच एजेंसियों को कैसे रिमोट से नियंत्रित किया जा रहा है। 2014 के बाद से राजनेताओं के खिलाफ ईडी के मामलों में चार गुना वृद्धि इसकी गवाही देती है और 95 प्रतिशत मामले विपक्षी नेताओं के खिलाफ हैं।

काशी का तेज विकास थमेगा नहीं: मोदी

'जिनके अपने होश ठिकाने नहीं वो यूपी और काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे:

विकास कार्य

8 बनास डेरी प्लांट सहित 13000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया

टीम एक्शन इंडिया

वाराणसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी में नवनिर्मित करखियांव एग्रो पार्क में बनाए गए बनास डेरी प्लांट (अमूल) सहित 13000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ये परियोजनाएं पूर्वी उप्र के विकास की राह बनेंगी और रोजगार के ढेरों अवसर बनेंगे। पीएम ने कहा कि जब मैं लोकल से वोकल कहता हूं तो बुनकरों, छोटे उद्यमियों का ब्रांड एंबेसडर बन जाता हूं। मैं पर्यटन को बढ़ावा देता हूं। जबसे नव्य-भव्य श्रीकाशी विश्वनाथ धाम का पुनर्निमाण हुआ है तबसे 12 करोड़ लोग काशी आ चुके हैं। इससे होटल, ढाबा, फूल-माला सभी कारोबार से जुड़े लोगों की आय बढ़ी है। पीएम ने कहा, परिवारवाद और भ्रष्टाचार ने यूपी के विकास को रोका। आज यूपी बदल रहा है। उप्र के नौजवान जब अपना भविष्य बना रहे हैं तो ये परिवारवादी लोग विरोध कर रहे हैं। मैं ये नहीं जानता था कि कांग्रेस को प्रभु श्रीराम से इतनी नफरत है। मोदी को गाली देते-देते तो इन्होंने दो दशक बिता दिए और अब ईश्वर रूपी जनता-जनार्दन पर, यूपी के नौजवानों पर ही ये लोग अपनी कुंठा निकाल रहे हैं।

'जिनके अपने होश ठिकाने नहीं, वो काशी-यूपी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे': राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के युवराज ने काशी की धरती पर आकर काशी और यूपी के युवाओं को नशेड़ी कह रहे हैं। जिनके अपने होश ठिकाने नहीं, वे मेरी काशी के बच्चों को नशेड़ी कह रहे हैं। अरे परिवारवादियों, यूपी का भविष्य युवा बदल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले बनारस जाम से जूझता था। जितना समय दिल्ली जाने में नहीं लगता था उससे ज्यादा समय फ्लाइट पकड़ने में लग जाता था। कल रात मैंने फुलवरिया फ्लाईओवर देखा। आज बनारस की रफ्तार कई गुना बढ़ने लगती है। बनारस डेरी में पशुपालक परिवारों से बात करने का मौका मिला।

'मोदी की गारंटी' पूरी करने की गारंटी दे गए पीएम

टीम एक्शन इंडिया

वाराणसी: पीएम ने करखियांव में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यूपी ने सारी सीटें मोदी को देने का निर्णय कर लिया है। मोदी का तीसरा कार्यकाल सबसे प्रखर कार्यकाल होने वाला है। भारत का आर्थिक, सामाजिक हर क्षेत्र बुलंदी पर होगा। भारत 11वें नंबर से ऊपर उठकर 5वें नंबर पर आया। अब तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की सबसे मजबूत शक्ति बनेगा। देश को चार लेन, छह लेन, आठ लेन की सड़कें बन रही है। वंदे भारत चल रहा है। ऐसे ही विकास कार्य आए दिन होंगे।

'संत रविदास के संकल्पों को पूरा करने का मिला सौभाग्य'

गुरु संत रविदास की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद पीएम मोदी ने मंच से जनता को संबोधित किया। उन्होंने बनारस को मिनी पंजाब कहा। कहा कि संत रविदास की कृपा से ही यह संभव है। मैं रविदास की संकल्पों को आगे बढ़ा रहा हूं। मुझे उन्होंने ही सेवा का अवसर दिया है। यह मैं अपना सौभाग्य समझता हूं। पीएम मोदी ने गठबंधन पर हमला बोलते हुए कहा कि हमारे देश में जाति के नाम पर उकसाने और उन्हें लड़ाने में भरोसा रखने वाले इंडी गठबंधन के लोग दलित, वंचित के हित की योजनाओं का विरोध करते हैं।

किसानों का अपमान कर रही सरकार: कांग्रेस

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: कांग्रेस ने कहा कि सरकार को किसानों से जुड़े उन मुद्दों पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए जिनकी वजह से किसान संगठन आंदोलन कर रहे हैं। यही नहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों को बुलेट की गारंटी दे रहे हैं।

बुलेट की गारंटी दे रहे पीएम मोदी: जयराम ने एक्स पर पोस्ट किया- 'किसान हमारे देश की रीढ़ हैं। किसानों के दम पर ही हम हरित क्रांति और श्वेत क्रांति लाने में सक्षम हुए। इनकी मेहनत की वजह से ही कृषि के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर बना। आज वही किसान जब एमएसपी की गारंटी मांग रहे हैं तब प्रधानमंत्री मोदी उन्हें बुलेट की गारंटी दे रहे हैं।'

किसानों का अपमान कर रही सरकार: उन्होंने कहा कि किसानों पर आंसू गैस के गोले दागना और गोली चलाना अन्याय की पराकाष्ठा है। यह सरकार चंदादाताओं का सम्मान और किसानों का अपमान कर रही है। कुछ ऐसा ही सलूक युवाओं के साथ हो रहा है। जब वे रोजगार की मांग करते हैं तब उन पर लाठियां बरसाई जाती हैं। अग्निपथ जैसी योजनाओं से उनका भविष्य बर्बाद किया जा रहा है।

साधा निशाना

8 कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों को बुलेट की गारंटी दे रहे हैं

हरियाणा: 'मनोहर बजट' में 'जय जवान जय किसान'

निर्धन वर्ग को राहत, आयुष्मान भारत योजना का दस लाख रुपए सालाना तक विस्तार

बजट में वृद्धि

8 पिछले सत्र के बजट प्रस्तावों के मुकाबले इस बजट में 11.37 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई गई है

टीम एक्शन इंडिया

चंडीगढ़: हरियाणा के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को राज्य विधानसभा में अपने दूसरे कार्यकाल में वर्ष 2024 25 का 1 लाख 89 हजार 876.61 करोड़ का बजट पेश किया। चुनावी वर्ष होने के साथ मनोहर लाल के दूसरे कार्यकाल का यह अंतिम बजट है। पिछले सत्र के बजट प्रस्तावों के मुकाबले इस बजट में 11.37 प्रतिशत की वृद्धि दिखाई गई है। बजट में कोई नया कर नही लगाया गया है। लेकिन बजट में 10,918.58करोड़ का प्रभावी राजस्व घाटा और राजकोषीय घाटा 33 हजार 634.50 करोड़ का दिखाया गया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि राजकोषीय घाटा प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद के मुकाबले अनुमेय सीमा में है।अलबत्ता चुनावी वर्ष का बजट होने के कारण मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री मनोहर लाल ने बजट को लोकहितकारी रूप देने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने बजट में प्रावधान किया कि 30सितंबर 2023तक प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के जरिए लिए गए कृषि ऋण की मूल राशि का भुगतान 31 मई 2024 तक करने पर ब्याज और जुमार्ना माफ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 5लाख 47हजार995किसानो का 1हजार 739करोड़ ब्याज और जुमार्ना बनता है।नहरी पानी पर निर्भर किसानो को राहत देते हुए मुख्यमंत्री ने 1अप्रैल 2024से आबियाना बंद करने का ऐलान किया।

गोपनीय सूचना लीक' मामले में महुआ मोइत्रा को नहीं मिली राहत

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: ईडी की विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) से संबंधित किसी भी गोपनीय, असत्यापित जानकारी को मीडिया में लीक करने से रोकने की मांग वाली तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा की याचिका को दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने सभी पक्षों को सुनने के बाद गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इससे पहले, दिल्ली हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

गुरु संत रविदास की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद पीएम मोदी और सीएम योगी जनता का अभिवादन स्वीकार करत हुए।

'भाजपा न नौकरी देना चाहती है, न आरक्षण'

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) की प्री परीक्षा का पेपर लीक होने के आक्रोशित प्रतियोगी छात्र परीक्षा रद्द करने की मांग को लेकर प्रयागराज में लोक सेवा आयोग के बाहर प्रदर्शन कर रहे है। पेपर लीक और छात्रों के प्रदर्शन को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार को घेरा है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा किसी भी परीक्षा को पूरा नहीं करना चाहती है। अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, "इलाहाबाद लोकसेवा आयोग पर प्रतियोगी छात्रों का जो आंदोलन चल रहा है हम उनके साथ हैं।

उद्योगों को बंद करने की बताएं स्पष्ट वजह: सुप्रीम कोर्ट

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: कौन से नियमों का उल्लंघन किया है, इसको बताए बिना किसी उद्योग को बंद करने से कंपनी में किए गए निवेश पर असर पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी तमिलनाडु के थूथुकडी में स्मेल्टिंग संयंत्र को बंद करने के खिलाफ वेदांत समूह की कंपनी स्टरलाइट कॉपर की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी भी कंपनी को मौजूदा कानूनों और पर्यावरण मानदंडों का पालन करना होगा। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने तांबा संयंत्र बंद नहीं किया है बल्कि केवल पर्यावरण संबंधी चिंताओं के कारण इसे आगे चलाने नहीं देने को कहा है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, 'कोई कंपनी यह नहीं कह सकती कि वह केवल उन प्रविधानों का पालन करेगी जो अधिकारियों द्वारा बताए गए हैं।

सनातन पर विपक्ष कर रहा ढ़ोंग': भाजपा

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल, कर्नाटक और तमिलनाडु में हिंदुओं को कथित तौर पर निशाना और उन पर हमला किए जाने को लेकर भाजपा ने विपक्षी दलों पर हमला बोला है। भाजपा ने कहा कि विपक्ष सनातन धर्म की उन्मूलन की बात करता है, लेकिन कई राज्यों में हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है, जो दिखाता है कि उनका दावा गलत है। भाजपा ने यह भी आरोप लगया कि हिंदुओं पर हमला एक अभियान के तहत किया जा रहा है।

सुधांशु त्रिवेदी ने टीएमसी पर बोला जमकर हमला: भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने उनकी पार्टी के नेताओं को हिंसाग्रस्त संदेशखाली का दौरा करने की अनुमति नहीं देने और स्थानीय टीएमसी नेता शाजहान शेख को गिरफ्तार नहीं करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि संदेशखाली में कुछ महिलाओं ने शाजहान शेख पर जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न में शामिल टीएमसी सदस्यों का एक गिरोह चलाने का आरोप लगाया है। भाजपा नेता ने विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि हिंसाग्रस्त संदेशखाली पर तथाकथित 'धर्मनिरपेक्ष दल' चुप्पी साधे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यही धर्मनिरपेक्ष दल महिलाओं की शिकायतों को अपनी वोट-बैंक की राजनीति के खिलाफ मानते हैं।

साधा निशाना

8 टीएमसी नेता शाजहान को गिरफ्तार नहीं करने के लिए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला

भारत-चीन के बीच खेला जाएगा माइंड गेम: एस जयशंकर

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को भारत-चीन मुद्दों को द्विपक्षीय ढांचे के तहत मुद्दों को रोकने में बीजिंग के 'माइंड गेम' के प्रति सचेत किया और कहा कि नई दिल्ली को संतुलन की स्थिति पर बेहतर शर्तें पाने के लिए अन्य कारकों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकारों को नहीं छोड़ना चाहिए। रायसीना डायलॉग में एक परिचर्चा में जयशंकर ने भारत-चीन संबंधों को लेकर कहा कि संतुलन की स्थिति में पहुंचना और इसे बरकरार रखना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगी। हालांकि, जयशंकर ने इस बात पर भी जोर दिया कि मौजूदा मुद्दा बीजिंग द्वारा निर्धारित नियमों को नहीं मानना है जिसकी वजह से पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद शुरू हुआ। विदेश मंत्री ने आर्थिक मोर्चे को लेकर कहा कि एक ऐसा समय आएगा जब चीन की अर्थव्यवस्था चरमरा जाएगी और भारत की अर्थव्यवस्था आगे बढ़ेगी। उन्होंने गोल्डमैन सैश के अनुमानों का हवाला दिया, जिसके मुताबिक, 2075 तक दोनों देश 50 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। जयशंकर ने कहा कि भारत को सर्वोत्तम संभावित नतीजे प्राप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रणाली का इस्तेमाल करने के लिए पर्याप्त आश्वस्त होना चाहिए। दरअसल, उनसे पूछा गया था कि क्या चीन और भारत के बीच समाधान का कोई बिंदु है और क्या दोनों देश अपने संबंधों में आखिरकार संतुलन की स्थिति लाएंगे?

द्विपक्षीय

8 बेहतर शर्तें पाने के लिए अन्य कारकों का इस्तेमाल करने के अपने अधिकारों को नहीं छोड़ना चाहिए: विदेश मंत्री

बजट सत्र

अभी इको सेंसिटिव जोन की नहीं हुई है अधिसूचना जारी

पौंगडैम के वैटलैंड एरिया में खेती करने की अनुमति: सीएम

चमन शर्मा

शिमला:

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के विश्व प्रसिद्ध पौंगडैम एरिया वेटलैंड में अब खेती-बाड़ी भी हो सकेगी। सरकार ने इस साल से इसकी इजाजत दे दी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान विधायक होशियार सिंह के मूल और भवानी सिंह पठानिया व बिक्रम सिंह के प्रतिपूरक के सवाल के जवाब में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पौंग डैम एरिया को अभी तक इको सेंसिटिव जोन घोषित नहीं किया गया है और न ही इसकी कोई अधिसूचना जारी की गई है। उन्होंने कहा कि जब इसे अधिसूचित किया जाएगा, उससे पहले संबंधित विधानसभा हलकों के विधायकों से चर्चा कर उनके सुझाव लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार अभी वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी एरिया से कुछ हिस्से को हटाने के प्रयास कर रही है, लेकिन इसके नियम काफी कड़े हैं। सुक्खू ने कहा कि पहले वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी की अधिसूचना जारी होगी और उसके बाद इको सेंसिटिव जोन बनाने का कार्य किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मामला काफी गंभीर है और विधायक काफी चिंतित हैं। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी चिंता से वाकिफ है और जल्द ही सभी से विचार-विमर्श किया जाएगा और वे पीसीसीएफ को भी लिखकर दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां पर पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। इसका कारण प्राकृतिक आपदा और बोटिंग के लाइसेंस पिछले लंबे समय से जारी न होना है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग को आदेश जारी कर दिए गए हैं कि वह बोटिंग के लाइसेंस जारी करे। उन्होंने कहा कि पौंग डैम एरिया में कोई टाइगर नहीं है। उन्होंने कहा कि पौंग डैम में वित्त वर्ष 2021-22 में 881680 रुपए और वर्ष 2022-23 में 216810 और वर्ष 2023-24 में इस साल 15 जनवरी तक 236150 रुपए की आय टिकट विंडो, बोटिंग और रेस्ट हाउस से हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021-22 में 4956, वर्ष 2022-23 में 2198 और वर्ष 2023-24 में अब तक 1728 सैलानी यहां आए हैं।

प्रश्नकाल

8 पौंग डैम एरिया को अभी तक इको सेंसिटिव जोन घोषित नहीं किया गया है और न ही इसकी कोई अधिसूचना जारी की गई

रूस में संघर्ष क्षेत्रों से दूर रहें भारतीय नागरिक': भारत

टम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का दो वर्ष पूरा होने को है। वहीं, इस युद्ध में दस हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 19 हजार से अधिक लोग घायल हुए हैं। इस बीच, भारत ने अपने नागरिकों को संघर्ष क्षेत्र से दूर रहने के लिए आग्रह किया है।

मास्को के संपर्क में है विदेश मंत्रालय: विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने शुक्रवार को कहा कि वह रूसी सेना में सहायक कर्मचारियों के रूप में काम करने वाले भारतीयों की शीघ्र मुक्ति के लिए लगातार मास्को के साथ संपर्क में है।

सहायक लेखाकार के पद पर चयनित 67 अभ्यर्थियों को मुख्यमंत्री ने प्रदान किए नियुक्ति पत्र

टीम एक्शन इंडिया

देहरादूनः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास परिसर में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में लोक सेवा आयोग के माध्यम से कृषि विभाग के अंतर्गत सहायक लेखाकार के पद पर चयनित 67 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में अधिक से अधिक युवाओं को प्रदेश में ही रोजगार के और अधिक अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने सभी नवनियुक्त कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब वे उत्तराखंड शासन, प्रशासन का हिस्सा बनने जा रहे हैं। सभी सच्ची लगन और मेहनत से

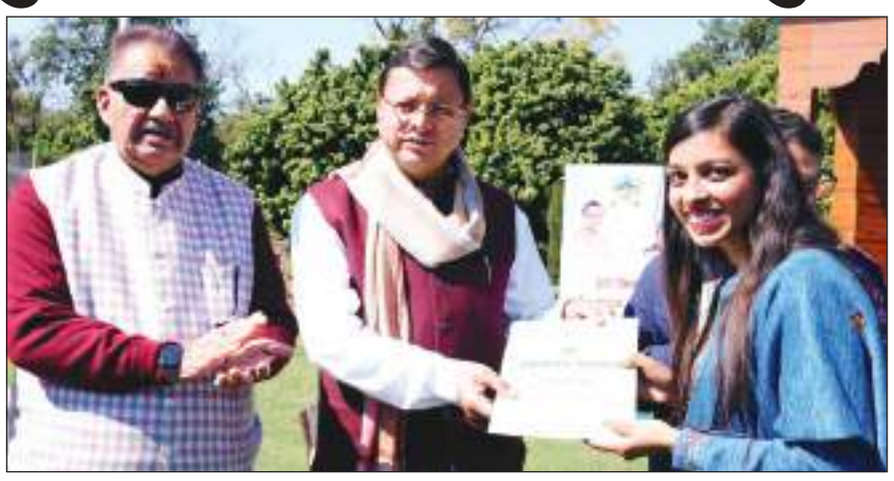

अपने कार्य को निपुणता से करेंगे, इसकी उन्होंने अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध हों, हमारा यह प्रयास धीरे-धीरे धरातल पर उतरने लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि आपको एक ऐसे प्रदेश में सेवा का अवसर ईश्वर ने प्रदान किया है, जिसमें आपकी एवं राज्य की प्रगति की असीम संभावनाएं हैं। जो भी कार्य करें, उसे पूर्ण ईमानदारी और लगन से करें तथा पूरी कोशिश करें कि जो काम आज होना है, उसे आज ही सम्पन्न करें और उत्तराखंड को श्रेष्ठ व नम्बर एक राज्य बनाने में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करें।

धामी ने कहा कि प्रदेश के हजारों युवाओं में से आपको यह अवसर विशिष्ट कार्य के लिए प्रदान किया गया है। आप अनुशासित होकर ईमानदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक नई कार्य संस्कृति विकसित हुई है।

नौली-धोतीधार मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर 14वें दिन किया चक्का जाम

गोपेश्वर, 23 फरवरी (हि.स.)। चमोली जिले के पोखरी विकास खंड में नौली-धोतीधार मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर चल रहे क्रमिक धरने के 14वें दिन शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों ने पोखरी के विनायकधार चौराहे पर प्रदर्शन करते हुए सांकेतिक चक्का जाम किया। इससे पोखरी से विभिन्न स्थानों को गुजरने वाले वाहनों और सवारियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। नौली-धोतीधार मोटर मार्ग निर्माण की मांग को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की ओर से 10 फरवरी से तहसील मुख्यालय पोखरी में धरना दिया जा रहा है। धरने के 14वें दिन शुक्रवार को जनप्रतिनिधियों ने स्थानीय ग्रामीणों के साथ मिलकर गाजे बाजे के

साथ प्रदर्शन कर विनायक धार चौराहे पर चक्का जाम किया। प्रधान संघ के ब्लॉक अध्यक्ष धीरेंद्र राणा ने बताया कि 14 दिनों से धोतीधार मोटर मार्ग निर्माण को लेकर जनप्रतिनिधि क्रमिक धरना कर रहे हैं, लेकिन शासन-प्रशासन ने अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया है। शुक्रवार को चक्का जाम किया गया है। जल्द मांग पूरी नहीं होती है तो आन्दोलन को और उग्र किया जाएगा, जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

सीएम ने एनएसई की गौरव योजना और मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना का किया शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास सभागार में उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत छात्रों और युवाओं के कौशल विकास के लिए नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की गौरव योजना और मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजना व शोध अनुदान वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से उच्च शिक्षा में शोध को एक नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे राज्य के युवाओं के कौशल संवर्धन और उनको प्लेसमेंट देने के लिये उच्च शिक्षा विभाग की ओर से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ गौरव योजना के लिए एमओयू भी हस्ताक्षरित किया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि शोधार्थियों के शोध और नवाचार से हमारे राज्य और समाज को एक नयी दृष्टि मिलेगी और हमारे उच्च शिक्षण संस्थाओं का गुणात्मक विकास होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड छोटा राज्य होने के बाद भी विभिन्न क्षेत्रों में नित नए मापदण्ड स्थापित कर रहा है। विगत कुछ वर्षों में राज्य के उच्च शिक्षा के गुणात्मक विकास के लिए अनेक योजनाओं के माध्यम से सरकार की ओर से निरन्तर अभिनव प्रयास किए गए हैं। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में राज्य की महत्वाकांक्षी योजना ह्लमुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शोध प्रोत्साहन योजनाह्व की शुरूआत की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड छोटा राज्य होने के बाद भी देश का ऐसा राज्य है, जो शोध को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार का शोध अनुदान शिक्षकों और शोधार्थियों को प्रदान कर रहा है। निश्चित रूप से उच्च गुणवत्ता के शोध द्वारा न सिर्फ संबंधित व्यक्ति और संस्थान की पहचान स्थापित होती है बल्कि मानवता के लिए नए अवसरों और विकल्पों की तलाश हो पाती है। शोध किसी राज्य की सीमा से परे संपूर्ण विश्व के लिए सहायक होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक विकासात्मक कार्य हो रहे हैं। विकसित भारत के लिये यह अमृत काल है। विकसित भारत बनाना 140 करोड़ देशवासियों का संकल्प है और जिसकी जहां पर जो भी जिम्मेदारी है, उसे पूर्ण कर, संकल्प की सिद्धि में सहभागी बनें, निश्चित ही देश विश्व गुरू के पद पर आरूढ़ होगा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ समझौता गेमचेंजर साबित होने जा रहा हैः मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के मुम्बई रोड शो के दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ हुआ हमारा समझौता एक गेमचेंजर साबित होने जा रहा है। इस प्रयास को और अधिक पुष्ट और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से उच्च शिक्षा विभाग द्वारा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साथ आज एक एमओयू भी किया गया है, जो बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में बढ़ रही संभावनाओं का सही उपयोग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास साबित होगा।

2025 तक इस क्षेत्र में पांच गुना **विस्तार की संभावनाएंः** मुख्यमंत्री ने कहा कि 2025 तक इस क्षेत्र में पांच गुना विस्तार की संभावनाएं हैं और एनएसई के सहयोग से हम उच्च शिक्षा में अध्ययनरत छात्रों सहित अन्य युवाओं को इसके लिए उपयुक्त मानव संसाधन के रूप में परिवर्तित कर सकते हैं, जिसके दूरगामी परिणाम दिखेंगे। आजकल शेयर बाजार के माध्यम से निवेश करने की लालसा बढ़ती जा रही है, परंतु इसमें निवेश करने से पहले वित्तीय विश्लेषण और गहन समझ अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस संदर्भ में, उच्च शिक्षा के साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के समझौते की एक महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, जिसके माध्यम से, छात्रों को अच्छी तरह से वित्तीय ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जिससे वे अपने निवेश फैसलों को समझेंगे और सावधानीपूर्वक वित्तीय निवेश कर सकेंगे तथा यह समझौता छात्रों को अध्ययन के लिए नवीनतम शिक्षा सामग्री के साथ ही एक सक्षम और जागरूक निवेशकों को तैयार करने में सहायता करेगा।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई प्रयास किये जा रहे हैंस इस मौके पर शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड की ओर से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कई नवाचारी प्रयास किये जा रहे हैं,

जो राज्य को एक मॉडल के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

चिन्यालीसौड़ के बनचौरा के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त, दो की मौत, तीन घायल

देहरादून/उत्तरकाशी। उत्तरकाशी जिले के थाना चिन्यालीसौड़ के बनचौरा के पास एक वाहन गहरी खाई में गिर गया। वाहन में कुल पांच लोग सवार थे। इनमें दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हुए हैं। पुलिस के अनुसार गुरुवार सायं थाना चिन्यालीसौड़ के बनचौरा के पाथरकोल के पास (यूके-07टीए 9222) बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर लगभग 200 मीटर गहरी खाई में गिर गया। सूचना पर स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ टीम तत्काल रेस्क्यू के लिए घटनास्थल पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाते हुए उक्त वाहन चालक के शव को बरामद कर जिला पुलिस के सुपुर्द किया जबकि एक महिला मौत स्वास्थ्य केंद्र ले जाते समय हुई। पुलिस के मुताबिक वाहन में कुल 05 लोग सवार थे। इनमें 03 महिला और एक पुरुष को अस्पताल भिजवा दिया गया था जबकि एक पुरुष जोकि वाहन चला रहा था का शव वाहन में ही फंसा था।

घायलों का विवरण : विजय पुत्र वचन दास यग्राम कैन्थोगी तह. चिन्यालीसौड़,जगवीर पुत्र बलवीरदास, उम्र 35 वर्ष सोहनदास, उम्र- 34 वर्ष।

मृतक का विवरणः पदम दास पुत्र इलम दास, उम्र-38 वर्ष,रीता देवी पत्नी विजय, उम्र- 30 वर्ष।

हल्द्वानी में रुपये क्यों बांट रहा था हैदराबाद का सलमान, पुलिस कर रही जांच

हल्द्वानी। हैदराबाद से हल्द्वानी आकर हिंसाग्रस्त क्षेत्र बनभूलपुरा में लाखों रुपये बांटने वाले युवक सलमान खान के खिलाफ पुलिस के साथ-साथ अन्य विभागों ने भी जांच शुरू कर दी है। वहीं मामले में खड़े हुए तमाम सवालों की जांच भी पुलिस कर रही है। आरोप है कि बनभूलपुरा क्षेत्र में तीन दिन रहने के दौरान हैदराबाद निवासी सलमान खान ने हिंसा में मारे गए लोगों के परिवार वालों और इस दौरान घायल हुए लोगों को नकद रकम बांटी। शुरुआती अनुमान है कि बांटी गई यह रकम करीब पांच से छह लाख रुपये तक है। युवक ने रकम बांटने की वीडियो बनाकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अपने इंस्टाग्राम हैंडल से वायरल कर दी। वीडियो जब पुलिस तक पहुंची तो बुधवार दोपहर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। सूत्रों के मुताबिक करीब तीन से चार घंटे तक इस युवक से पूछताछ की गई। इसके बाद उसे छोड़ दिया गया। गुरुवार को पत्रकार वार्ता में एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि शुरूआती छानबीन में क्राउड फंडिंग की बात सामने आई है। पता चला है कि सलमान अपने पांच साथियों के साथ यहां आया था। एसएसपी ने बताया कि पुलिस के साथ-साथ इस मामले में अब अन्य संबंधित विभागों ने भी जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि जांच के बाद अगर इस मामले में किसी भी तरह की संदिग्धता पाई जाती है, तो कार्रवाई की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, मामले में खुफिया तंत्र से लेकर बैंक और साइबर सेल की टीम भी शामिल हो चुकी है।

'एनयूजे-आई' के नगर उपाध्यक्ष तेज सिंह नेगी को पितृशोक

नैनीतालः देश के पत्रकारों के सबसे बड़े संगठन ह्यएनयूजे-आईह्व यानी नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स-इंडिया के नगर उपाध्यक्ष तेज सिंह नेगी के पिता धन सिंह नेगी का शुक्रवार अपराह्न निधन हो गया है। वह 84 वर्ष के थे। उन्होंने अपराह्न करीब साढ़े 12 बजे अपने पैतृक निवास अल्मोड़ा जनपद के द्वाराहाट स्थित ग्राम कतनर में आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 8.30 बजे स्थानीय चित्रेश्वर घाट पर किया जाएगा। वह पिछले काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। आखिरी समय में भी वह अपने पुत्रों व परिवारजनों से बात करते रहे। उनके निधन पर ह्यएनयूजे-आईह्व के प्रदेश जिला व नगर सहित समस्त पदाधिकारियों व सदस्य पत्रकारों के साथ ही सामाजिक व राजनैतिक जगत से जुड़े लोगों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है।

ग्रामीणों की शिकायत पर जागा विभाग, घर-घर जाकर लिए पानी के सैंपल

चंपावतः लोहाघाट की सुई लिफ्ट पेयजल योजना में ग्रामीणों ने दूषित पेयजल आपूर्ति के आरोप जल संस्थान पर लगाए थे तथा लंबे समय से ग्रामीण जल संस्थान के खिलाफ आंदोलन कर पेयजल लाइन बदलने की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों की मांग पर आखिर जल संस्थान हरकत में आया और जल संस्थान कर्मचारियों ने घर-घर जाकर पानी के सैंपल लिए तथा लोगों को साफ पानी देने का भरोसा दिया।

गांव के ग्रामीणों ने पेयजल योजना बनने के बाद से ही दूषित और लाल पानी आने की शिकायत की थी। ग्रामीणों ने कहा कि दूषित पेयजल की वजह से गांव में बच्चे पीलिया और टाइफाइड की चपेट में आ रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि जल संस्थान के द्वारा डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से बनी नई पेयजल लाइन में घटिया पाइप लगा दी, जिस कारण योजना में दूषित गंदा पानी आ रहा है। जल संस्थान के अभियंता पवन बिष्ट ने बताया कि पानी के सैंपल लिए गए हैं। योजना का अभी परीक्षण चल रहा है। धीरे-धीरे पानी की गुणवत्ता में सुधार आ रहा है तथा विभाग पेयजल आपूर्ति में पूरी सावधानी बरत रहा है और लोगों को पानी उबालकर पीने की सलाह दी जा रही है।

आशाओं ने सीएम को दिलाया मानदेय नियत करने का वादा, भेजा ज्ञापन

टीम एक्शन इंडिया

नैनीतालः उत्तराखंड आशा हेल्थ वर्कर्स यूनियन के बैनर तले आशा कार्यकताओं ने शुक्रवार को अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत मुख्यालय स्थित जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय में धरना दिया और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भिजवाया।

ज्ञापन में आशाओं ने कहा कि सरकार आशाओं को नियमित वेतन नहीं दे रही है और प्रशिक्षण का पैसा भी घटता जा रहा है। पल्स पोलियो अभियान के लिये आशाओं को प्रति दिन 100 रुपये मात्र पर पूरा हफ्ता अभियान चलाना होता है। उन्हें न्यूनतम वेतन, कर्मचारी का दर्जा भी नहीं मिलता है, जबकि दूसरी ओर काम के बोझ को लगातार बढ़ाया जा रहा है, जो कि न्यायोचित नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री को याद दिलाया है कि 31 अगस्त 2021 को उनके आंदोलन के बाद मुख्यमंत्री ने खटीमा स्थित कैम्प कार्यालय में आशाओं के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता के बाद आशाओं का मासिक मानदेय नियत करने व स्वास्थ्य महानिदेशक उत्तराखंड के आशाओं को लेकर बनाये गये प्रस्ताव को लागू करने का वादा किया था।

तीन साल बाद भी यह वादा पूरा नहीं किया गया है। लिहाजा उन्होंने आशाओं को मासिक मानदेय नियत करने, स्वास्थ्य महानिदेशक द्वारा आशाओं के मानदेय को लेकर बनाए गए 2021 के प्रस्ताव को लागू करने, आशाओं को न्यूनतम वेतन, कर्मचारी का दर्जा व सेवानिवृत्त होने पर अनिवार्य व आजीवन पेंशन व एकमुश्त धनराशि देने का प्रावधान करने, विभिन्न मदों के लिए दिए जाने वाले पैसे अनिवार्य रूप से हर महीने देने और प्रशिक्षण व पल्स पोलियो अभियान के दौरान प्रति दिन 500 रुपये का भुगतान करने की मांगें उठायी हैं। प्रदर्शन कल 24 फरवरी को भी जारी रहेगा। आगे राज्यव्यापी आन्दोलन की चेतावनी भी दी गयी है।

सरकारी जमीन का ही कर डाला सौदा, आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

हरिद्वार। धर्मनगरी हरिद्वार में जमीनों का फजीर्वाड़ा बंद होने का नाम नहीं ले रहा। फर्जी तरीके से जमीन बेचने का खेल खेल रहे भूमाफिया अब सरकारी जमीनों को भी ठिकाने लगा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में सामने आया है। जहां भूमाफियाओं ने सिंचाई विभाग की भूमि का ही सौदा कर डाला। इसका खुलासा होने पर थाना रानीपुर में आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया गया है। मामले के अनुसार रानीपुर क्षेत्र निवासी मनीबा ने सबीना परवीन, फिरोज आलम व जहीर के खिलाफ थाना रानीपुर में धोखाधड़ी सहित अन्य कई धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

पहाड़ से लेकर मैदान तक खिली चटख धूप, पर्वतीय क्षेत्रों में पाला से बढ़ेंगी परेशानियां

टीम एक्शन इंडिया

देहरादूनः उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों में मौसम शुष्क हो गया है। दिन में चटख धूप चुभने लगी है। हालांकि सुबह-शाम ठिठुरन बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिन प्रदेश में मौसम शुष्क रह सकता है। पर्वतीय क्षेत्रों में पाले को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। शुक्रवार को दून समेत आसपास के मैदानी क्षेत्रों में सुबह से चटख धूप खिली रही। दिन में हल्की गर्माहट महसूस की गई, जबकि सुबह हवा चलने से ठिठुरन रही। पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं बादल मंडराते रहे। कई स्थानों पर भारी हिमपात के

कारण बंद पड़े मार्गों को खोलने का प्रयास जारी है। शुक्रवार को नैनीताल, हल्द्वानी, कोश्या कुटौली, धारी, बेतालघाट, कालाढूंगी, रामनगर, मुक्तेश्वर की सभी सड़कें यातायात के लिए खोल दी गई हैं और यातायात सुचारू है। नैनीताल में बिजली-पानी की आपूर्ति सामान्य है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, उत्तराखंड में आगामी दिनों में मौसम शुष्क बना रहने का अनुमान है।

गणेश ने रक्षामंत्री से सैनिक स्कूल के निर्माण का किया अनुरोध

मांग

8 राजनाथ सिंह को बताया कि राज्य का जनपद चमोली एक सीमान्त होने के साथ-साथ सैनिक बाहुल्य जनपद है।

टीम एक्शन इंडिया

देहरादूनः सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने नई दिल्ली में केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रक्षा मंत्री से सीमान्त जनपद चमोली में सैनिक स्कूल के निर्माण का अनुरोध किया। सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बताया कि राज्य

का जनपद चमोली एक सीमान्त होने के साथ-साथ सैनिक बाहुल्य जनपद है। सैनिक के रूप में राष्ट्र सेवा का जज्बा यहां के लोगों में कूट-कूट कर भरा है। यही कारण है कि यहां सैनिक एवं पूर्व सैनिक अपने बच्चों को सैनिक परिवेश के स्कूलों में प्रवेश के लिए हमेशा ही उत्सुक रहते हैं।

उन्होंने कहा कि सीमान्त जनपद चमोली और निकटतम क्षेत्र में कोई भी सैनिक स्कूल/आर्मी पब्लिक स्कूल संचालित नहीं है। यहां के पूर्व सैनिकों द्वारा कई वर्षों से मांग की जाती आ रही है कि जनपद चमोली में भी जनपद पिथौरागढ़ स्थित जनरल बीसी जोशी आर्मी पब्लिक स्कूल की भांति ही एक आर्मी पब्लिक स्कूल संचालित हो सके, जो देश के प्रथम सीडीएस जनरल बिपिन रावत के नाम से संचालित हो। इससे इस पहाड़ी क्षेत्र से सैनिकों/पूर्व सैनिकों एवं उनके परिवार अन्य क्षेत्रों में उत्तराखण्ड की मुख्य समस्याओं में एक पलायन करने लिए मजबूर न हो सकें।

मंत्री गणेश जोशी ने रक्षा मंत्री को विश्वास जताते हुए कहा कि जनपद चमोली में आर्मी पब्लिक विद्यालय स्वीकृत करने पर उत्तराखंड सैनिक कल्याण विभाग भूमि आवंटन एवं अवस्थापना विकास के लिए अपना सम्पूर्ण योगदान प्रदान करेगा।

आपदा प्रभावित कुलिंग गांव दिदिना तोक में विस्थापन तो हुआ, लेकिन सुविधाओं का अकाल

टीम एक्शन इंडिया

गोपेश्वरः चमोली जिले के देवाल विकासखंड का आपदा से प्रभावित कुलिग गांव का विस्थापन तो गांव की सरहद के दिदिना तोक में कर दिया है, लेकिन ग्रामीणों को सड़क, स्कूल, स्वास्थ्य, आंगनबाड़ी सहित मूलभूत सुविधाओं के अभाव के चलते परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव तक पहुंचने के लिए मोटर मार्ग सबसे बड़ी समस्या बनी है। कुलिग गांव में 14 अगस्त 2019 को दैविक आपदा का कहर बरपाया था। गांव के नीचे से बह रहे गधेरे के कटाव से पूरा गांव ही भूस्खलन की चपेट में आ गया था। उसके बाद प्रदेश सरकार ने वर्ष 2019 में कुलिग के 65 परिवारों को गांव की सरहद पर दिदिना तोक में प्रत्येक परिवार को बसाया है जो मूल गांव कुलिंग से छह किलोमीटर की पैदल चढ़ाई पर है। ग्रामीण अपनी आवश्यकता

की वस्तुओं को पीठ पर ढोकर गांव तक ले जाते हैं। दिदिना तोक के 15 बच्चे आंगनवाड़ी, प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाईस्कूल पढ़ने कुलिग गांव जाते हैं। जंगली रास्तों से स्कूल आना-जाना प्रतिदिन हो जाता है। ग्रामीणों ने स्कूल भवन के लिए पांच नाली भूमि शिक्षा विभाग के नाम रजिस्ट्री कर दी है, लेकिन अभी भवन नहीं बना है। सड़क के अभाव में सबसे अधिक परेशानी गर्भवती महिलाओं को झेलनी पड़ती है। गांव में इलाज की कोई सुविधा नहीं है। ग्रामीण लगातार गांव में मूलभूत

संघर्षरत

8 गांव में इलाज की कोई सुविधा नहीं है। ग्रामीण लगातार गांव में मूलभूत सुविधाओं के लिए लगातार संघर्षरत हैं, लेकिन गांव की समस्याएं जस की तस बनी

सुविधाओं के लिए लगातार संघर्षरत हैं, लेकिन गांव की समस्याएं जस की तस बनी हैं।

क्या कहते हैं जनप्रतिनिधि

कुलिग-दिदिना देवाल ग्राम प्रधान हुक्कम सिंह बिष्ट ने कहा कि कुलिग गांव का विस्थापन तो हुआ, लेकिन चार साल गुजरने के बाद भी कोई सुविधा नहीं मिल पाई है। कुलिग-दिदिना 10 किलोमीटर मोटर मार्ग और एक पुल के लिए 478.98 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं, लेकिन वन भूमि हस्तांतरण की फाइल वन विभाग के कार्यालय में घूम रही है।

क्या कहते हैं अधिकारी

लोनिवि थराली सहायक अभियंता विरेन्द्र सिंह बसेड़ा ने कहा कि दिदिना सड़क के लिए विभाग से सभी दस्तावेज तैयार कर लिए गए हैं, पिलर गाड़ दिए हैं और वन भूमि हस्तांतरण की फाइल वन विभाग को भेजी गई है। स्वीकृति के बाद सड़क निर्माण शुरू हो पाएगा। गोपेश्वर चमोली के बदरीनाथ वन प्रभाग के डीएफओ सर्वेश कुमार दुबे ने कहा कि गढ़वाल वन संरक्षक ने चार जनवरी को इस मोटर मार्ग का समरेखण और स्थलीय निरीक्षण किया गया है। उनके आदेशों के तहत वन भूमि हस्तांतरण की समस्त अभिलेखों की फाइल तैयार कर ली गई है। उच्चाधिकारी को प्रेषित की जा रही है।

वन्य जीवों के हमलों को रोकने में वन विभाग बेबस, उत्तराखंड से बाहर निकाले जाएंगे गुलदार और बाघ

- मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर मुख्यमंत्री गंभीर, जताई चिंता

टीम एक्शन इंडिया

देहरादूनः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में मानव वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं पर चिंता प्रकट की है। उन्होंने शासकीय आवास पर आयोजित बैठक में गुलदार और बाघों के हमले की बढ़ती घटनाओं को रोकने के लिए वन सचिव एवं वन्यजीव प्रतिपालक को प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में विभाग को चौबीसों घंटे अलर्ट मोड पर रखा जाए और प्रशिक्षित वन कर्मियों की क्विक रिस्पांस टीम गठित कर उसे तत्काल मौके पर भेजा जाए। जंगली जानवरों को आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए गांव और जंगल की सीमा पर सोलर फेंसिंग (तार बाड़) लगाई जाए।

प्रभावित क्षेत्रों में चौबीस घंटे अलर्ट मोड में रहे विभाग

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि लंबे समय से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में वन्य जीवों के हमलों को रोकने में वन विभाग बेबस है। इसके दृष्टिगत इन घटनाओं को रोकने के लिए दीर्घकालीन योजना बनाई जाए। प्रशिक्षित पशु चिकित्सक मानव वन्यजीव संघर्ष की दृष्टि से इलाकों में चौबीस घंटे तैनात रहें।

गुलदार और बाघों से भरे पड़े हैं वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर, रखने की जगह नहीं

चिंता व्यक्त की

8 रेस्क्यू सेंटर गुलदार और बाघों से भरे पड़े हैं। अब वहां अन्य पकड़े गए वन्य जीवों को रखने की जगह नहीं है

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर गुलदार और बाघों से भरे पड़े हैं। अब वहां अन्य पकड़े गए वन्य जीवों को रखने की जगह नहीं है, लिहाजा इसके लिए भी तुरंत कार्ययोजना बनाई जाए।

गत माह मुख्यमंत्री दिए थे निर्देश, अपेक्षित प्रगति नहीं

उल्लेखनीय है, मुख्यमंत्री धामी ने गत माह आला अफसरों की आपात बैठक लेकर वन्य जीव प्रतिपालक को निर्देश दिए थे कि राज्य के रेस्क्यू सेंटर के गुलदार और बाघों को दूसरे राज्यों के चिड़िया घर, वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर में शिफ्ट करने के लिए वहां के जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क करें, ताकि यह समस्या हल हो सके। इस दिशा में अभी तक कोई अपेक्षित प्रगति न होने पर मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को पुनः इस संबंध में तत्काल कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए।

मानव वन्यजीव संघर्ष की घटना स्थिति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि मानव वन्यजीव संघर्ष की घटना स्थिति में स्थानीय स्तर पर कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पुलिस-प्रशासन की है। इस मामले में कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने जिम्मेदार अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि जंगलों से सटे गांवों में शत-प्रतिशत शौचालय और गैस कनेक्शन दिए जाने की योजना बनाई जाए ताकि लोग जंगलों का रुख न करें।

विकसित भारत संकल्प यात्राः चमोली जिला प्रशासन ने कार्यक्रम की तैयारियां शुरू की

बैठक

8 सीडीओ अभिनव शाह ने वर्चुअल माध्यम से सभी उप जिलाधिकारियों की बैठक ली

टीम एक्शन इंडिया

गोपेश्वरः विकसित भारत संकल्प यात्रा को लेकर चमोली की तीनों विधानसभाओं में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जिला प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। बदरीनाथ, कर्णप्रयाग और थराली विधानसभा क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी को लेकर शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिनव शाह ने वर्चुअल माध्यम से सभी उप जिलाधिकारियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय में आयोजित बैठक के दौरान सीडीओ ने अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम को आयोजित करने के निर्देश दिए। बैठक में संबंधित उप जिलाधिकारियों ने बताया कि जनपद की तीनों विधानसभाओं में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए स्थान चयन कर दिया गया है। जिसके तहत बदरीनाथ विधानसभा में स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर, कर्णप्रयाग विधानसभा के गौचर और थराली विधानसभा का कार्यक्रम कुलसारी में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान ग्रामीणों को राज्य और केंद्र सरकार की जन उपयोगी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित भी किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअल माध्यम से लाभार्थियों को संबोधित भी करेंगे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ विधायक राजेंद्र भंडारी बैठे धरने पर

टीम एक्शन इंडिया

गोपेश्वरः चमोली जिले के विकास खंड मुख्यालयों पर अपनी मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन की ओर से दिए जा रहे धरने के दूसरे दिन शुक्रवार को बदरीनाथ के विधायक राजेंद्र भंडारी ने धरने को समर्थन किया। भंडारी शुक्रवार को जिला मुख्यालय गोपेश्वर में जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में कार्य बहिष्कार कर धरना दे रहीं आंगनबाड़ी कार्यकताओं के साथ धरने पर बैठे तथा उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी मांग को विधानसभा में उठाया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकत्री संगठन की ओर से विभिन्न मांगों को लेकर चमोली जिले के अधिकांश ब्लॉक मुख्यालयों पर कार्य बहिष्कार कर धरना दिया जा रहा है।

शुक्रवार को जिला मुख्यालय गोपेश्वर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में धरने पर बैठीं आंगनबाड़ी कार्यकताओं को समर्थन देने के लिए बदरीनाथ के विधायक राजेंद्र भंडारी पहुंचे। विधायक ने उनके साथ धरने पर बैठकर उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को विधानसभा में उठायेंगे। संगठन की ब्लॉक अध्यक्ष आशा थपलियाल ने कहा कि सरकार उनकी मांग को अनसुना कर रही है जो कि न्यायोचित नहीं है। यदि सरकार उनकी मांग को इसी तरह अनसुना करती है तो उन्हें भी अपने आंदोलन की रणनीति बदलनी पड़ेगी, ताकि सरकार को चेताया जा सके।

कमिश्नर दीपक रावत ने फरियादी के दिलवाए 42 लाख

हल्द्वानीः आयुक्त दीपक रावत के निर्देश के बाद एक फरियादी को उसके 42 लाख रुपये मिल गए हैं। दो माह पहले जनता दरबार में फरियादी आशीष मंडल पुत्र आनंद मंडल निवासी हल्द्वानी ने शिकायत दर्ज कराई थी। फरियादी आशीष ने कहा था कि हल्द्वानी के दो नहरिया में भूमि क्रय करने हेतु जितेंद्र सिंह बिष्ट को 42 लाख रुपये की धनराशि दी गई थी।

उसके द्वारा न तो भूमि दी जा रही है और न ही धनराशि वापिस की जा रही है। जनसुनवाई में आयुक्त दीपक रावत ने जितेंद्र बिष्ट को दो माह के भीतर धनराशि वापस करने का समय दिया था। फरियादी आनंद मंडल ने शुक्रवार को कैंप कार्यालय में आयुक्त से मिलकर बताया कि जितेंद्र सिंह ने 42 लाख रुपये की धनराशि उनके बैंक खाते में जमा कर दी है।

मेहंदी प्रतियोगिता कराकर मतदान के लिए किया जागरूक

चंपावतः आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए स्वीप अभियान के तहत चाइल्ड हेल्प लाइन की समन्वयक संतोषी के नेतृत्व में स्वीप टीम ने शुक्रवार को लोहाघाट के चांदमारी क्षेत्र में महिलाओं की मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में महिलाओं को मेहंदी के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनाव में बढ़-चढ़कर मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका, द्वितीय स्थान ममता देवी, तृतीय स्थान

चाइल्ड हेल्पलाईन

8 मेहंदी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान मोनिका, द्वितीय स्थान ममता देवी, तृतीय स्थान पार्वती देवी ने प्राप्त किया

पार्वती देवी ने प्राप्त किया। समन्वयक संतोषी ने बताया कि महिलाओं को मतदान हमारा अधिकार के तहत मतदान शपथ भी दिलाई गई।

संक्षिप्त खबरें

स्केचर्स ने देहरादून के पसिफिक मॉल में नये स्टोर को प्रमोट करने के लिए किया कम्युनिटी गोल चैलेंज का आयोजन

देहरादून। स्केचर्स, द कम्फर्ट टेक्नोलॉजी कंपनी ने देहरादून के पसिफिक मॉल में नया स्टोर शुरू करने के उपलक्ष्य में तीन दिनों का स्केचर्स कम्युनिटी गोल चैलेंज चलाया। फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना इस चैलेंज का उद्देश्य है। स्केचर्स कम्युनिटी गोल चैलेंज का यह छठा एडिशन है, इसके पहले कई उत्साही लोगों और रोहित सराफ और सान्या मल्होत्रा जैसे बॉलीवुड एक्टर्स ने 1000 किलोमीटर रन को पूरा करके इस चैलेंज में हिस्सा लिया था। 1000 किमी के पड़ाव को सफलतापूर्वक पूरा किया जाने के बाद इस ग्लोबल ब्रांड ने स्केचर्स किड्स शूज एनजीओ 'आसरा' को दान किए। वंचित समुदायों के बच्चों की खेल से जुड़ी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का काम यह एनजीओ करती है। देहरादून में आयोजित किए गए स्केचर्स कम्युनिटी गोल चैलेंज में अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों ने साथ मिलकर महत्वाकांक्षी डिस्टेंस गोल को पूरा करने में योगदान दिया। स्केचर्स एशिया प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ श्री राहुल वीरा ने इस अवसर पर कहा, "स्केचर्स में एक और कम्युनिटी गोल चैलेंज को सफलतापूर्वक पूरा करने से और इसमें देहरादून की एकता और उपलब्धि की भावना को देखकर हमें बहुत खुशी हो रही है। फिटनेस और खुशहाली पर केंद्रित जीवनशैली में योगदान देने वाले फूटवेयर बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का हमारा मिशन इस पहल ने मजबूत किया है। आसरा ट्रस्ट के साथ साझेदारी जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक प्रभाव पैदा करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है। बच्चों को आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपने खेल के सपनों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित और सशक्त बनाने के उद्देश्य से हमने जूते दान किए।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने काशीपुर, उत्तराखंड में अपनी पहली शाखा का उद्घाटन किया

हल्द्वानी। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड, भारत के दूसरे सबसे बड़े फंड हाउस ने 21 फरवरी, 2024 को उत्तराखंड के काशीपुर में अपनी पहली नई शाखा का उद्घाटन किया। नई शाखा को चामुंडा कॉम्प्लेक्स, ग्राउंड फ्लोर, मौजा महेशपुरा, राम नगर रोड, तहसील काशीपुर, उत्तराखंड-244713 में खोला गया है।

शाखा का विधिवत उद्घाटन डॉ. गुरपाल सिंह सहोता, (एमबीबीएस, डीएनबी-न्यूरोसर्जरी) ने किया। उनके साथ देवेश त्रिवेदी, रीजनल हैड, गौरव मिश्रा, क्लस्टर हैड और सूरज जोशी, ब्रांच हेड और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एमएफ के स्टाफ सदस्य और कई प्रमुख वित्तीय सलाहकार व ग्राहक भी मौके पर उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में, देवेश त्रिवेदी ने सभी चैनल भागीदारों को धन्यवाद दिया और कंपनी की सफलता और ग्रोथ के लिए मौलिक रूप से उनके योगदान को स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि हम एक विशिष्ट ग्राहक अनुभव बनाने और वित्तीय समाधानों को सरल और अधिक सुलभ बनाने का प्रयास करते हैं। इस नई शाखा का खुलना इसी दिशा में एक और कदम है।

पिछले ढाई दशकों में, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड फंड प्रबंधन क्षेत्र में दूसरे सबसे बड़े फंड हाउस के रूप में उभरा है, जिसकी कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 6.90 लाख करोड़ रुपये (31 जनवरी, 2024 तक) है। 477 शाखाओं के माध्यम से 9 मिलियन से अधिक ग्राहकों की सेवा करते हुए, फंड हाउस इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और कमोडिटी सेगमेंट में विभिन्न फंड पेशकशों के साथ अग्रणी फंड हाउस है।

जाएका ने उत्तराखंड में सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए 914 करोड़ रु का ओडीए ऋण मंजूर किया

देहरादून। जापान इंटरनेशनल कॉपरेशन एजेंसी (जाएका) ने उत्तराखंड में शहरी जलापूर्ति प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए 16,211 मिलियन येन (लगभग 914 करोड़ रु) के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। राज्य में जलापूर्ति संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार करने के लिए जाएका ने समुदायों के सामने पेश आ रही चुनौतियों से निपटने के लिए संकल्प जताया है और साथ ही, यह सतत विकास लक्ष्यों तथा जलवायु परिवर्तन से बचने की क्षमताओं के निर्माण में भी सहयोग देगी।

भारत की बढ़ती आबादी और त्वरित आर्थिक विकास तथा शहरीकरण के मद्देनजर, देश में जल संसाधनों पर दबाव बढ़ा है। हिमालयी राज्य उत्तराखंड देश के मैदानी भागों के लिए जलापूर्ति के लिहाज से महत्वपूर्ण है, लेकिन इसकी खास भू-संरचना और जलवायु विविधताओं की वजह से इसके सामने कई चुनौतियां खड़ी हैं। विकास के मोर्चे पर आगे रहने के बावजूद, उत्तराखंड की एक बड़ी आबादी पेयजल की समस्या से जूझ रही है, खासतौर से राज्य के सुदूरवर्ती इलाकों में महिलाओं तथा बच्चों को दूरदराज से पानी ढोने की समस्या से दो-चार होना पड़ता है।

उत्तराखंड की विकास संबंधी योजनाओं और जल नीति लक्ष्यों के अनुरूप, उत्तराखंड में शहरी जलापूर्ति प्रणाली में सुधार की परियोजना का उद्देश्य राज्य में जल संबंधी बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना, सुरक्षित पेयजल तक पहुंच सुनिश्चित करना तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने की क्षमता पैदा करना है। इस परियोजना के तहत राज्य के 11 जिलों के 38 शहरों में काम किया जाएगा, और हरिद्वार, टिहरी, अल्मोड़ा तथा पिथौरागढ़ जिलों पर प्राथमिकता के आधार पर ध्यान दिया जाएगा। वर्ष

झड़ीपानी में रेलवे की 317 एकड़ संपत्ति का आज नहीं हुआ सीमांकन, अब 26 को होगा

टीम एक्शन इंडिया

मसूरीः मसूरी के झड़ीपानी में रेलवे की 317 एकड़ संपत्ति का सीमांकन किया जाने को लेकर शुक्रवार को स्थानीय प्रशासन, राजस्व विभाग और रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी झड़ीपानी पहुंचे। हालांकि कानूनगो के हाई कोर्ट जाने के कारण सीमांकन की कार्रवाई नहीं हो पाई। रेलवे के अधिकारियों ने स्थानीय भू स्वामियों द्वारा पेश किए गए कागजात और नक्शे का भी निरीक्षण किया गया। अब 26 फरवरी को यह कार्य होगा। रेलवे के अधिकारी एसएस रावत ने बताया कि झड़ीपानी में रेलवे की 317 एकड़ जमीन है। जिस पर कुछ लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है। ऐसे में रेलवे द्वारा अपनी 317 एक-ड़ जमीन का सीमांकन कराए जाने को लेकर स्थानीय प्रशासन और राजस्व की टीम की मदद मांगी गई है। उन्होंने बताया कि कानूनगो के अनुपस्थित होने के कारण शुक्रवार

को सीमांकन की कार्रवाई नहीं हो पाई। सोमवार को रेलवे की 317 एकड़ जमीन का सीमांकन होगा। उन्होंने कहा कि रेलवे विभाग की झडीपानी क्षेत्र में 317 एकड़ जमीन है जिसके पुख्ता प्रमाण और कागजात उनके पास मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि रेलवे के उच्च अधिकारियों द्वारा साफ निर्देश दिए गए हैं कि रेलवे की 317 एकड़ जमीन को पूर्ण रूप से अपने कब्जे में लिया जाना है और जिन लोगों ने रेलवे की जमीन पर कब्जा किया है उनको हटाया जाना है। उन्होंने कहा कि सोमवार को राजस्व विभाग, स्थानीय प्रशासन और रेलवे की टीम के द्वारा संयुक्त रूप से रेलवे की जमीन का सीमांकन किया जाएगा।

नशे की पूर्ति के लिए लूट की घटना को दिया अंजाम, दो गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया

देहरादूनः बिहार से आकर देहरादून में रह रहे एक युवक व एक किशोर ने नशे की पूर्ति के लिए तमंचे के बल पर लूट की घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने शुक्रवार को दोनों आरोपितों को पकड़ लिया। कुलदीप सिंह पुत्र धर्म सिंह निवासी ग्राम हेतलपुर सरसावा, सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) हाल पता मंदाकिनी विहार, रायपुर देहरादून ने 22 फरवरी को थाना रायपुर में तहरीर दी। उसने बताया कि रायपुर क्षेत्रांतर्गत ओम धर्मकांटा किसान डेयरी सहस्त्रधारा रोड के पास मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उसे तमंचा दिखाकर उसका फोन व

पांच हजार रुपये लूट लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच में शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इस बीच मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को सहस्त्रधारा रोड मुख्य मार्ग से पालीटेक्निक की ओर जाने वाले रास्ते से आरोपित विक्रम सिंह (19) पुत्र नागेंद्र निवासी थाना

प्रतिष्ठानों के आगे लगी झाप को नहीं हटाने की मांग की

टीम एक्शन इंडिया

नैनीतालः नगर पालिका की ओर से नगर मल्लीताल स्थित बड़ा बाजार, बीच वाली बाजार, जय लाल साह एवं आसपास स्थित बाजारों में व्यापारिक प्रतिष्ठानों के आगे लगी झाप हटाने की मुनादी कराई गई है। इस मामले में नगर के मां नयना देवी व्यापार मंडल के बाद अब मल्लीताल व्यापार मंडल भी सक्रिय हो गया है। व्यापार मंडल के अध्यक्ष किशन नेगी व महासचिव त्रिभुवन फर्त्याल ने शुक्रवार को इस संबंध में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी राहुल आनंद को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि विशेषकर अतिवृष्टि, धूप एवं बर्फबारी के मौसम में प्रतिष्ठानों में न केवल बारिश का पानी प्रवेश

मुनादी

8 जय लाल साह एवं आसपास स्थित बाजारों में व्यापारिक प्रतिष्ठानों के आगे लगी झाप हटाने की मुनादी कराई गई

कर जाता है बल्कि तिरछी बौछारों के कारण कपड़े एवं अन्य सामान पूर्णतया खराब हो जाते हैं। इस कारण झाप बाहर लगाना न केवल जरूरी, बल्कि मजबूरी है। पूर्व में नगर पालिका द्वारा व्यापारिक प्रतिष्ठानों में उपलब्ध स्थान के अनुरूप झाप लगाने की अनुमति नियमानुसार प्रदान की गयी थी, जिसके सापेक्ष पालिका द्वारा वार्षिक

आईआईएम काशीपुर ने मंथन कार्यक्रम के तहत नेतृत्व और प्रबंधन कौशल विकसित के लिए वी-गार्ड इंडस्ट्रीज के 25 अधिकारियों को 4 माह प्रशिक्षित किया

देहरादून। भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर (आईआईएम काशीपुर) ने अपने प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) "प्रेरणा" के तहत पिछले चार महीनों में वी-गार्ड इंडस्ट्रीज के 25 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। वी गार्ड इंडस्ट्रीज के सभी चार संयंत्रों के अधिकारियों के बीच विपणन, वित्त, रणनीति, मानव संसाधन, आईटी और परिचालन कौशल विकसित करने के लिए अक्टूबर 2023 से फरवरी 2024 तक चलने वाला विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आईआईएम काशीपुर के निदेशक डॉ. कुलभूषण बलूनी ने कहा कि मैंने कई विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम देखे हैं। हालाँकि, मैंने वी-गार्ड अधिकारियों के बीच समर्पण और उत्सुकता का जो स्तर देखा, वह असाधारण है। उन्होंने कोई क्लास मिस नहीं की. वे कक्षा में अपने फोन बंद कर देते थे या फोन बजने पर काट दिया करते थे और कई लोग प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 100 किमी दूर से यात्रा करते थे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल नेतृत्व क्षमताओं को बढ़ाएगा और प्रतिभागियों के बीच पेशेवर विकास को बढ़ावा देगा बल्कि कंपनी को बढ़ने में भी मदद करेगा। आईआईएम काशीपुर के डीन डॉ. कुणाल गांगुली, जिन्होंने अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किया, ने इस सहयोग के ऐतिहासिक महत्व पर जोर दिया, जो नेतृत्व विकसित करने के लिए आईआईएम काशीपुर और वी-गार्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बीच अपनी तरह की पहली पहल है। वी-गार्ड इंडस्ट्रीज प्लांट काशीपुर के प्लांट हेड जितेंद्र राणा ने न केवल अधिकारियों को बधाई दी, बल्कि उनके और कंपनी के विकास के लिए नए अर्जित ज्ञान के उपयोग पर भी जोर दिया।राणा ने आगे कहा कि वी-गार्ड के जल संरक्षण अभियान के तहत, कंपनी 10 लाख रुपये की लागत से पांच एकड़ क्षेत्र में फैले आईआईएम काशीपुर परिसर में मंथन ताल का नवीनीकरण कर रही है।

संपादकीय

फली नरीमन, सयानी गुम हुईं दो आवाजें

90 साल के पार जाकर बुधवार को ऐसी दो महान शख्सियतें सदा के लिये जुदा हो गईं, जिन्होंने अपनी आवाजों के दम पर लम्बे समय तक अपने-अपने कार्यक्षेत्रों को गुंजायमान किये रखा था। इनमें से एक हैं महान विधिवेत्ता फली सैम नरीमन जिन्होंने लगभग सात दशकों तक पहले बॉम्बे हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न न्यायाधीशों के समक्ष अनगिनत मामलों की सुनवाइयों के दौरान अपने कानूनी तर्कों को न जाने कितनी बार 'मी लॉर्ड' के सम्बोधनों के साथ पेश करते हुए अपनी प्रखर मेधा, प्रतिभा व तर्क क्षमता से सबको मंत्रमुग्ध किया, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय रेडियो के सबसे चहेते उद्घोषक अमीन सयानी भी इस जहां के अपने करोड़ों 'भाइयो और बहनो' को अलविदा कह गये। फली एस नरीमन के कहे शब्द यदि कानों से होकर बुद्धि को झकझोरते थे, तो अमीन सयानी की मधुमिश्रित आवाज कानों में पड़ते ही सीधे दिल का रास्ता पकड़ लेती थी। उनकी उम्र क्रमशः 91 तथा 95 वर्ष थी। दोनों ही भारतीयों के जीवन का अविभाज्य हिस्सा रहे- एक कानूनी किताबों के माध्यम से तो दूसरे रेडियो के जरिये। 10 जनवरी, 1929 को तत्कालीन रंगून कहे जाने वाले और अब येंगून बन चुके म्यांमार (तब का बर्मा) में एक पारसी परिवार में जन्मे नरीमन ने स्कूली शिक्षा हिमाचल प्रदेश के शिमला से तथा अर्थशास्त्र के साथ बीए व कानून की शिक्षा मुंबई के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थानों से पूरी की। बहुत कम उम्र में बाम्बे हाईकोर्ट से उन्होंने वकालत शुरू की और अल्प समय में ही उन्होंने कानून व संविधान सम्बन्धी अपने ज्ञान का लोहा मनवा लिया था। यहां 22 साल तक प्रेक्टिस करने के बाद बाद वे दिल्ली चले आये और जल्दी ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में भी अपनी धाक जमाई। 1971 में भारत सरकार के वे सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठ वकील रहे। फिर 1972 से 1975 तक अतिरिक्त लोक अभियोजक थे परन्तु आपातकाल लगाने के विरोध में उन्होंने त्यागपत्र दे दिया। बाद में 2011 से 2013 तक वे भारत सरकार के सॉलिसिटर जनरल रहे। पद्मभूषण व पद्म विभूषण से सम्मानित फली एस नरीमन ने अनेक महत्वपूर्ण व मील के पत्थर साबित हुए मुकदमों में अहम भूमिका निभाई थी। 1999 से 2005 तक वे राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिये नियुक्त किये गये थे। उनका काम केवल कोर्ट रूम तक ही सीमित नहीं था। अनेक तरह की राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं व संगठनों के वे प्रमुख भी रहे थे। उनकी आत्मकथा 'बिफोर मेमोरी फेड्स' काफी लोकप्रिय हुई थी जिसमें उन्होंने अपने वकालती पेशे के बाहरी-भीतरी पक्षों को उजागर किया है। उनके नाम पर विस मूट ईस्ट का 'फली नरीमन पुरस्कार' भी रखा गया है। भोपाल के कुख्यात गैस ट्रेजेडी में आरोपी कम्पनी यूनियन कार्बाइड का केस लड़ने पर आजन्म पछताने वाले नरीमन ने कहा था कि 'काश वे यह मामला हार जाते।' अपनी आत्मकथा में भी उन्होंने इस पर अफसोस जताया है। इस केस में उन्होंने यूनियन कार्बाइड तथा पीड़ितों के बीच कोर्ट के बाहर समझौते की पेशकश की थी और उन्हें एक बड़ा मुआवजा प्रस्तावित किया था। इसके बावजूद भारत के सेकुलर ताने-बाने के हमेशा पक्षधर रहे इस महान कानूनविद की लोकप्रियता व प्रतिष्ठा में कोई कमी नहीं आई थी। जिस कॉलेजियम सिस्टम के जरिये आज शीर्ष न्यायालय के चीफ जस्टिस की नियुक्ति होती है, उसे मान्यता 1993 के एक प्रसिद्ध मामले से मिली थी जो 'सेकेंड जज केस' के नाम से जाना जाता है।

सहमति से हो इंडिया गठबंधन में सीटों का बंटवारा

रमेश सर्राफ धमोरा

> "इसी तरह उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी भाजपा से गठबंधन कर इंडिया गठबंधन को अलविदा कह दिया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही इंडिया गठबंधन में शामिल वामपंथी दलों से किसी भी तरह का चुनावी गठबंधन करने से इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस के लिए उनकी मौजूदा दो लोकसभा सीटों को ही छोड़ने की बात कही है। जबकि कांग्रेस वहां अधिक सीटों पर दावा कर रही थी। इससे वहां सीटों का तालमेल नहीं हो पा रहा है। ममता बनर्जी ने अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही ममता बनर्जी त्रिपुरा, असम, गोवा में भी चुनाव लड़ने की बात कह रही है"

केंद्र में सत्तारूढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने के लिए देश के 28 प्रमुख विपक्षी दलों के नेताओं ने एक साथ मिलकर इंडिया गठबंधन बनाया है। इंडिया गठबंधन बनने से देश के लोगों को राजनीति में एक नया विकल्प तो मिला ही है। उसके साथ ही उन्हें लगने लगा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में इस गठबंधन में शामिल सभी राजनीतिक दल एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे तो भाजपा नीत एनडीए गठबंधन को कड़ी टक्कर देंगे। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सहित कई राष्ट्रीय व क्षेत्रीय पार्टियां शामिल है। इनमें से बहुत सी क्षेत्रीय पार्टियों की उनके प्रदेशों में सरकार भी चल रही है। इंडिया गठबंधन की कई बैठके भी हो चुकी है। मगर गठबंधन में सीटों का बंटवारा नहीं होने से आपसी मनमुटाव की स्थिति बनी हुयी है। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी है। ऐसे में कांग्रेस का दायित्व बनता है कि वह गठबंधन में शामिल सभी दलों को साथ लेकर आगामी लोकसभा चुनाव के लिए सीटों का बंटवारे जल्दी से करें। मगर अभी तक ऐसा हो नहीं पाया है। चूंकि देश में 10 साल बाद भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों का एक गठबंधन बना है। इसको सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए इसका संयोजक भी बनाया जाना चाहिए था। मगर कई महीने निकल जाने के बाद भी अभी तक विधिवत रूप से इंडिया गठबंधन का संयोजक का नाम घोषित नहीं हो पाया है। सीटों का बंटवारा नहीं होने के कारण गठबंधन में शामिल कई राजनीतिक दल नाराजगी जाहिर करने लगे है। इंडिया गठबंधन को लेकर कांग्रेस द्वारा बरती जा रही ढलाई के चलते ही बिहार में जनता दल यू गठबंधन से बाहर होकर फिर से एनडीए में शामिल हो गया है। जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार भी बना ली है। नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन को बनाने वाले मुख्य राजनेताओं में शामिल थे। वह इंडिया गठबंधन के संयोजक बनना चाहते थे। मगर गठबंधन में शामिल कई दलों के नेताओं में आपसी खींचातान के चलते नीतीश कुमार संयोजक नहीं बन सके। इसी से खफा होकर उन्होंने इंडिया गठबंधन को छोड़ दिया। जीतन राम

मांझी की हम पार्टी बिहार में पहले ही इंडिया गठबंधन से बाहर निकल चुकी थी।

इसी तरह उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने भी भाजपा से गठबंधन कर इंडिया गठबंधन को अलविदा कह दिया है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही इंडिया गठबंधन में शामिल वामपंथी दलों से किसी भी तरह का चुनावी गठबंधन करने से इनकार कर दिया है। ममता बनर्जी ने बंगाल में कांग्रेस के लिए उनकी मौजूदा दो लोकसभा सीटों को ही छोड़ने की बात कही है। जबकि कांग्रेस वहां अधिक सीटों पर दावा कर रही थी। इससे वहां सीटों का तालमेल नहीं हो पा रहा है। ममता बनर्जी ने अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। इसके साथ ही ममता बनर्जी त्रिपुरा, असम, गोवा में भी चुनाव लड़ने की बात कह रही है। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कांग्रेस के साथ सीटों का बंटवारा नहीं होने के चलत 31 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नामों की एकतरफा घोषणा कर दी थी। इनमें वह लोकसभा सीटें भी शामिल हैं जहां से कांग्रेस चुनाव लड़ने का दावा कर रही है। अखिलेश यादव की एकतरफा घोषणा से उनका कांग्रेस के साथ गठबंधन खटाई में पड़ता नजर आ रहा था। मगर कांग्रेस ने अखिलेश यादव की सभी शर्ते मान कर उत्तर प्रदेश में गठबंधन को टूटने से बचा लिया है। अखिलेश यादव ने कांग्रेस को 17 सीटें देने की बात कही है। बिहार में राजद, कांग्रेस, वामपंथी दलों को मिलकर चुनाव लड़ना है। मगर वहां नीतीश कुमार की जदयू के गठबंधन से बाहर जाने के बाद लालू प्रसाद यादव की राजद 28 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रही है। जबकि कांग्रेस वहां 10 सीट पर चुनाव लड़ना चाहती है। वामपंथी दल भी वहां आठ सीटों पर दावा कर रहें है। ऐसे में यदि समय रहते बिहार में सीटों का बंटवारा नहीं हुआ तो गठबंधन की गांठ ढीली पड़ जाएगी। तमिलनाडु में कांग्रेस ने 2019 में द्रुमक के साथ मिलकर नो सीटों पर चुनाव लडकर आठ सीट जीती थी। मगर अब कांग्रेस वहां 16 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। जबकि द्रुमक कांग्रेस को 7 सीट ही देना चाहती है। तमिलनाडु में भी इंडिया गठबंधन में शामिल दलों में सीट बंटवारे को लेकर आपसी रार मची हुई है। आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को दिल्ली में तीन सीट देने की बात कही है। वहीं पंजाब में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी तक बात नही बनी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तो पंजाब में आम आदमी पार्टी द्वारा अकेले ही चुनाव लड़ने की घोषणा भी कर दी गयी थी। आप ने कांग्रेस से हरियाणा, गुजरात, गोवा, असम की कुछ सीटों की भी मांग की हैं।महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) व कांग्रेस की महाविकास अघाडी के साथ वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के प्रकाश अंबेडकर के शामिल होने से महाविकास अघाड़ी मजबूत हुई है। मगर महाराष्ट्र में भी अभी सीटों का बंटवारा नहीं हो पाया है। हालांकि महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल एकजुटता के साथ चुनाव में उतरने को तैयार हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दलों को एक साथ मिलकर चुनाव लड़ना होगा तभी वह भाजपा से मुकाबला कर पाएंगे। इसके लिए सबसे पहले इंडिया गठबंधन के संयोजक का चयन करना होगा। गठबंधन मे सबसे अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस पार्टी को चाहिए कि जहां क्षेत्रीय दल मजबूत है। वहां उनके लिये अधिक सीटे छोडें ताकि भाजपा को कड़ी टक्कर दे सके। वहीं कर्नाटक, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, उड़ीसा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ,. हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड जैसे प्रदेश जहां कांग्रेस मजबूत स्थिति में है वहां वह अधिक सीटों पर चुनाव लड़े। वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, जम्मू कश्मीर, त्रिपुरा, गोवा जैसे राज्यों में बहुत कमजोर स्थिति में पहुंच गई है। इन प्रदेशों में क्षेत्रीय दल बहुत मजबूत है। ऐसे में कांग्रेस को इन प्रदेशों में क्षेत्रीय दलों की मदद करनी चाहिए। ताकि इंडिया गठबंधन में शामिल सभी दल एक साथ मिलकर भाजपा नीत एनडीए से मुकाबला कर सके। कांग्रेस के नेता जब तक बड़ा मन रखकर सीट बंटवारे को अंतिम रूप नहीं देंगे तब तक गठबंधन में शामिल नेताओं में आपसी मनमुटाव जारी रहेगा। इसलिए इंडिया गठबंधन के नेताओं को सबसे पहले सीटों का बंटवारा कर मनमुटाव की स्थिति को समाप्त करना होगा। तभी इंडिया गठबंधन एकजुट से चुनावी मुकाबले में उतर पायेगा।

कविता

शब्द तेरे,छंद तेरे,कविता तेरी'

हवाएँ तेरी,शहर तेरा,मंजिल तेरी,
पल ठहर जायेंगे,मर्जी होगी तेरी,

शब्द तेरे,छंद तेरे,कविता तेरी,
गुनगुनायेंगे हम,हामी होगी तेरी'

आसमान तेरा,रंग तेरे,परिंदे तेरे,
उकेरेंगे आकृति, मर्जी होगी तेरी.

भाव तेरा, मन तेरा, भावनाएं तेरी,
रच लेंगे पंक्तिया, होगी लेखनी तेरी।

कलिया तेरी,पुष्प तेरे,उपवन तेरा,
हाथों में सजा देंगे, होगी मेहंदी तेरी।

कुह कुह तेरी,चह चहाहट तेरी,
खूब चहकेंगे,होगी चांदनी तेरी।

झरने तेरे,नदियां तेरी,सागर तेरे,
पी लेंगे नीर,नदिया होगी तेरी।

पगडण्डी तेरी,सड़के भी तेरी,
तय करेंगे सफर,होगी गलियां तेरी।

पवन तेरा,गगन तेरा,आकाश तेरा,
उड़ जायेंगे, होंगी मेहरबानी तेरी।

संजीव

नियमित योग करेगा पाचन शक्ति को मजबूत

अलका सिंह

हेल्दी शरीर के लिए भोजन का हेल्दी पाचन जरूरी है। आपके खाने की आदतें और गतिविधियां पाचन प्रक्रिया को सीधे प्रभावित करती हैं। आपका पेट ठीक रहेगा तो उसका असर आपकी फि?टनेस और ग?लो पर भी नजर आएगा। आप अपनी जीवन शैली या खाने की आदतों में बदलाव करके अपने पाचन तंत्र को हेल्दी और मजबूत रख सकते हैं। पाचन सुधारने और आपकी आंत को मजबूत बनाने के लिए यहां कुछ योग आसन हैं। कई लोग सवाल भी करते हैं कि पाचन तंत्र को कैसे मजबूत करें? या पाचन को हेल्दी रखने के नेचुरल तरीके क्या हैं?

ऐसे में योग गुरु अलका सिंह यहां कुछ लाभकारी योग आसानों के बारे में बता रही है जिनको करके आपके पाचन को हमेशा हेल्दी रखा जा सकता हैं। हेल्दी पाचन और पेट को दुरुस्त करने लिए रोज करें ये योगासन।

त्रिकोणासन

त्रिकोणासन या त्रिकोण मुद्रा पाचन में सुधार करती है, भूख को उत्तेजित करती है और कब्ज से राहत दिलाती है। यह आपके गुर्दे और पेट के अन्य अंगों के लिए भी फायदेमंद है।

बालासन

बालासन या चाइल्ड पोज की मुद्रा तनाव को छोड़ देती है और आपके दिमाग को शांत करती है। योग मुद्रा आपके जांघों, कूल्हों और लसीका प्रणाली के लिए भी फायदेमंद है। यह आपके पाचन को बेहतर करने में भी काफी लाभकारी हो सकती है। बलासन आपके पाचन को मजबूत बना सकता है

पवनमुक्तासन

पवनमुक्तासन वाली मुद्रा गैस और पेट की बीमारियों को दूर करती है। यह आपके पाचन में सुधार करेगा और आपके पेट से गैस को बाहर निकाल सकता है। यह आपके पेट की मांसपेशियों को भी मजबूत बनाने में मददगार माना जाता

पसचिमोत्तानासन

पसचिमोत्तानासन या आगे की ओर झुकना आसन गैस और कब्ज से राहत देने में मदद करता है। यह पेट की चर्बी को भी कम करता है और धीरे-धीरे अंगों की मालिश करता है।

वज्रासन

यह सबसे आसान आसनों में से एक है और इसके फायदे अनेक हैंङ्घयह पाचन तंत्र को दुरुस्त रखता है, साथ ही फिगर को मेंटेन रखने में भी मददगार साबित होता है। वज्रासन करने से जठराग्नि बढ़ती है। जठराग्नि को आप उस ऊर्जा के रूप में समझ सकते हैं। यह भोजन पचाने और हमारे शरीर को शक्ति देने का काम करती है।

वक्रासन

इससे शरीर को डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। इससे पाचन तंत्र मजबूत होता है और कब्ज या शरीर में भारीपन की दिक्कत नहीं होती है। वक्रासन के अभ्यास से शरीर की थकान दूर होती है। यह आसन पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है। धनुरासन योग पूरी तरह से पीठ को मोड़ने वाला योग है। इसकी वजह से शरीर की सभी मांसपेशियों में खिंचाव बनता है, यानी वो स्ट्रेच होती हैं।

विचार

विश्व शांति की परिकल्पना में आतंकवाद एक बड़ा अवरोध

संजीव ठाकुर

आतंकवाद एक मानसिक विकृति की विचारधारा है, जिसके द्वारा हिंसक कार्यों और गतिविधियों से जनमानस अशांति और भय की स्थापना करके अपने लक्ष्य की प्राप्ति का प्रयास करना होता है। जिससे किसी भी क्षेत्र में आधिपत्य का अधिकार प्राप्त करने के लिए हिंसा और आतंक का सहारा लेकर जनमानस में अशांति का वातावरण निर्मित करने अपने मंसूबे पूरे कर आर्थिक सामाजिक और राजनैतिक विध्वंस का तांडव मचाना होता है। कुछ व्यक्तियों के समूह द्वारा संचालित मानव विरोधी गतिविधियां ही हैं जो कि समाज के विरुद्ध लूट, अपहरण, बम विस्फोट,हत्या जैसे जघन्य अपराधों को जन्म देती है। आतंकवाद मूलतः धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक परिवेश लिए हुए होता है। भारत में आतंकवाद धार्मिक और राजनीतिक ज्यादा परिलक्षित हुआ है। भारत में कश्मीर, लद्दाख, असम मैं विभिन्न अलगाववादी समूह द्वारा हिंसक अपराधिक कृत्य कर लोगों को भयभीत तथा पलायन करने पर मजबूर करने का कृत्य राजनीतिक आतंकवाद ही है। अलकायदा, लश्कर-ए-तैयबा ,जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन धार्मिक कट्टरता की भावना से अपराध को अंजाम देते हैं। देश में नक्सलवाद ने छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, झारखंड ,बिहार और पश्चिम बंगाल में अपना मौत का परचम फेहरा के रखा है। नक्सलवाद मूलतः सामाजिक क्रांतिकारी समूह द्वारा सरकार के विरोध में आमजन तथा आदिवासियों के मध्य अपनी समानांतर सरकार चलाने हेतु हिंसक घटनाएं की हैं। यह आतंकवादी ग्रुप हिंसा के द्वारा अलग अलग तरीके से आतंकवाद फैलाने का प्रयास करते हैं ,यह ज्यादातर भीड़भाड़ वाले इलाकों में जैसे रेलवे स्टेशन बस स्टैंड रेल रेल पटरियों वायुयानो का अपहरण निर्दोष लोगों को बंदी बनाना बैंक में डकैतियां कर समाज में अराजकता तथा वैमनस्यता फैलाने का काम करते हैं। भारत में नक्सलवाद तो मूल रूप से पश्चिम बंगाल के नक्सल वाली क्षेत्र से पनपा है, जो पूरे भारत में धीरे-धीरे फैल कर हिंसक रूप अपनाए हुए हैं। आतंकवाद केवल भारत में न होकर उसका साम्राज्य वैश्विक स्तर पर भी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से फैला हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद ने अनेक घटनाओं को जन्म देकर विश्व शांति सद्भावना की मूल कल्पना को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास किया है। दुनिया के प्रत्येक देश में आतंकवाद किसी न किसी रूप में आज मौजूद है। आतंकवाद कहीं रंगभेद, कहीं भाषा विभेद, कहीं राजनीतिक विचारधाराओं में विरोध और कहीं रंगभेद के कारण ,नस्ली समस्या आतंकवाद का कारण बनी है। यह समस्याएं हथियारों से सुलझाने के प्रयास में अत्यंत हिंसक बन गई हैं। आतंकवाद को वृहद रूप देने में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने भी बड़ा साथ दिया है, आतंकवादियों, नक्सलवादियों और नस्ल वादियों के लिए रसायनिक, नाभिकीय, जैविक मानव बम जैसे आधुनिक हथियार उपलब्ध होने से यह आतंकवादी गतिविधियां और भी खतरनाक हो गई है। इसके अलावा मीडिया में इंटरनेट उपलब्धता से यह सारी सरकारी गतिविधियों की जानकारी प्राप्त हो जाती है इससे आतंकवादी और ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं। विश्व में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर 11 सितंबर 2001 आतंकवादी हमला मानव इतिहास की सबसे क्रूर तम हमला माना जाता है। पाकिस्तान के पेशावर जिले में आर्मी स्कूल में 150 मासूम बच्चों की निर्मम हत्या भी एक क्रूर आतंकवादी घटना है' भारत में 1993 में मार्च में श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट इसी तरह दिसंबर 2001 में संसद भवन पर हमलावाराणसी बम विस्फोट, अहमदाबाद में बम विस्फोट, 2008 में मुंबई ताज होटल पर हमला,2016 में पठानकोट एयरबेस हमला, 2017 में अमरनाथ तीर्थयात्रियों हमला, 2019 में पुलवामा हमला आतंकवादी घटनाएं हैं जिससे मानवीय संवेदनाएं, शांति स्थापना की मूल धारणा की धज्जियां उड़ जाती है' भारत में तो नक्सलवाद भी आतंकवाद का एक वृहद रूप ले चुका है' आतंकवाद का सबसे भयानक रूप यह है की कोई भी देश यह नहीं जानता कि आतंकवाद का अगला निशाना कौन सा देश और कौन सी इमारत, रेलवे स्टेशन, वायुयान और कौन सा धार्मिक स्थल होगा' वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ असुरक्षा की भावना पूरी तरह व्याप्त हो चुकी है' आतंकवाद का सबसे विस्तृत और भयानक रूप अफगानिस्तान में सरकार का तख्तापलट का ही है।

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक रवि भारद्वाज, दैनिक एक्शन इंडिया कार्यालय, 7/1, बल्लूपुर रोड, डॉ टीपी पटनायक के सामने, कृष्ण नगर चौक के पास, देहरादून, उत्तराखण्ड ने मारुतिनंदन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, शक्ति कॉम्प्लेक्स, 6/18, समयपुर इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110042 से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक केवल पीआरबी एक्ट के तहत ही उत्तरदायी। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज जी
समूह संपादक : रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक : हिमांशु अनिकेत (9837313943)
actionindiaddn@gmail.com

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अतः समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

एक इंसान दूसरे को गधा क्यूँ बोलता है ?

प्रभुनाथ शुक्ल

सुबह मेरी नजर अचानक चाय की टेबल पर पड़े अखबार पर जा टिकी। जिस पर मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा था 'गधे हड़ताल पर हैं' अखबार के सम्पादक जी ने कि यह खबर फ्रंट पेज की लीड स्टोरी बनयी थी। मैं सोच रहा था कि अखबार और टीवी वालों को, टीआरपी रोग से मुक्ति कब मिलेंगी। इनकी सोच कब दुरुस्त होगी। अब भला बताइए गधे क्यों हड़ताल करेंगे, उन्हें क्या तकलीफ है। अखबार का शीर्षक देख मुझे लगा कहीं आज पहली अप्रैल तो नहीं है। लेकिन जब खबर पर आगे बढ़ा तो पता चला कि गधों की मांग जायज हैं। यह बात 'आलइंडिया गधा असोसिएशन' की तरफ से उठाई गई है।

गधों का कहना है कि हम लोग इंसानों के सबसे वफादार हैं। मुझमें जितनी स्वामी भक्ति किसी में नहीं है, लेकिन इंसान हमें गधा समझता है। वह हर वक्त अपनी जाति के लोगों को हमारे 'शब्दनाम' का मुहावरा प्रयोग करता रहता है 'अबे तुम गधे हो' आखिर इंसान हमें इतना मूर्ख क्यों समझता है। वक्त गुजरने के साथ गधों का यह आंदोलन राष्ट्रव्यापी बन गया। आंदोलन की गम्भीरता को देखते हुए राष्ट्रीय मीडिया बगैर ब्रेक के गधों की हड़ताल को कवर करने लगा। गधों की तरफ से नीत नई मांग सामने आने लगी। गधों ने चुनाव आयोग से मांग रखी कि उनके लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को ध्यान रखते हुए उन्हें राजनैतिक दल गठित करने के साथ वोट का अधिकार भी दिया जाय। हड़ताल पर गए 'आलइंडिया गधा असोसिएशन' के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मीडिया को बयान जारी कर कहा कि अगर चुनाव आयोग हमें राष्ट्रीय दल की मान्यता नहीं देता है तो यह संविधान में वर्णित अधिकारों की अवहेलना होगी। समता- समानता के अधिकारों की मुखालफत होगी। जरूरत पड़ी तो हम देश भर के गधे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जंतर- मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। जब इंसान और उसके जातीय समूह अपने अधिकारों को लेकर दल , संगठन बना सकते हैं तो हम गधे क्यों नहीं। अब हम जाग गए हैं। अपना हक इंसानों को नहीं दे सकते। हमें इंसानों और दूसरे पशु- पक्षियों की तरह राष्ट्र की मुख्यधारा में लाना ही होगा। तभी भीड़ से नारा गूंज उठा। नाम हमारा ताज तुम्हारा, नहीं चलेगा- नहीं चलेगा।

पेट दर्द के लिए सिर दर्द की गोली !

डॉ. सुरेश कुमार

पहले हमें हमारे सिवाय कोई दिखाई नहीं देता था। जहाँ देखो वहाँ हमीं हम बने रहने की बड़ी चुल मची रहती थी। वैसे वह चुल अभी भी है, लेकिन जब से कुकुरमुत्तों की तरह साहित्यिक संस्थाओं का जन्म हुआ है तब से मारा-मारी बढ़ गई है। हर कोई अपनी-अपनी संस्था रूपी दुकान खोले बैठा है। कोई आडंबरी के नाम से तो कोई ढोगांबरी के नाम से। इन सबका एक ही उद्देश्य है अपने एरिया का साहित्यिक डॉन बनना। इन सबको देखने के बाद दाऊद इब्राहिम मुझे महापुरुष सा प्रतीत होता है। हो न हो उसे डॉन बनने की प्रेरणा इन्हीं कुकुरमुतिया साहित्यिक संस्थाओं से मिली होगी। मैं दाऊद इब्राहिम की बहिन हसीना पार्कर जैसी हूँ। मेरे बिना मेरे एरिया में कोई साहित्यिक आयोजन तो क्या उसके बारे में सोच भी ले तो तुरंत उसके सपने में आकर उसकी हालत पतली कर देती हूँ। किंतु इधर कुछ दिनों से मेरे ही चेले चपाटों ने मेरी देखा-देखी अलग से दुकानें खोल रखी हैं। एक तरह से मेरे एकछत्राधिपत्य की बैंड बजा दी है। चूँकि मेरी दुकान सबसे पुरानी है, इसलिए मेरे ग्राहक रूपी साहित्यिक सदस्यों की कोई कमी नहीं है। इनमें तीन-चार मेरे सबसे विश्वस्त हैं। इनके बिना मैं कोई कार्य नहीं करती। एक तरह से ये मेरे गुर्गे हैं, जो दूसरी दुकानों में आने-जाने वाले ग्राहकों की जानकारी मुझसे साझा करते हैं। पिछले दिनों ढोगांबरी साहित्यिक संस्था की टुनटुना देवी ने राष्ट्रीय स्तर पर अलग-अलग विधाओं के लिए बिस्कुट के टुकड़े रूपी सम्मान बांटे जिससे इनकी दुकान पर नए-नए ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। कुछ ग्राहक तो मेरी ही दुकान के थे। यह तो सीधे-सीधे मेरी कोर कांपिटेंसी में हमला बोलने जैसा था। मुझसे यह देखा नहीं गया। कल की टुनटुना देवी चली है दादी को खांसी सिखाने। मैं यह सब करने में नंबर वन हूँ। शेर को शिकार, चील को उड़ना और मुझे आयोजन करना कोई नहीं सिखा सकता। यह कला तो मैं जन्मजात जानती हूँ। वह भूल रही है कि साधुन-दासी-चोरन-खांसी, प्रेम बिना के हासी। खुसरो वाकी बुद्धी विनासे, रोटी खाये जो बासी। यहाँ मेरे प्रपंच उस बासी रोटी के समान है जिसे खाकर टुनटुना देवी का दिमाग खराब हो गया है।

न्यूज फ्लैश

करनाल में किसानों ने मनाया काला दिवस

करनाल/राजकुमार प्रिंस: देशभर में आज संयुक्त किसान मोर्चा के ऐलान के बाद किसानों द्वारा काला दिवस मनाया जा रहा है। वहीं करनाल में चढ़ूनी ग्रुप द्वारा असंध रोड पर स्थित प्यौंत टोल प्लाजा पर धरना दिया गया। सरकार के पुतले का दहन किया गया, जबकि अन्य किसान संगठनों के सदस्यों ने जिला सचिवालय के बाहर धरना देकर हरियाणा और केंद्र सरकार के पुतले फूंके।

किसानों द्वारा धरना देकर सरकार व हरियाणा पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। किसानों के धरने के आसपास भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया। वहीं इस दौरान किसानों ने धरनास्थल पर आंदोलन में मारे गए किसानों को श्रद्धांजलि भी दी। किसानों ने मांग की जिस भी पुलिस अधिकारी द्वारा युवा किसान को गोली मारने के आदेश दिए गए, उसके ऊपर हत्या का मामला दर्ज कर किया जाए।

बता दें कि गत दिवस संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा युवा किसान शुभकरण की मौत और हरियाणा पुलिस द्वारा किसानों पर आंसू गैस के गोले व रबड़ की गोलियां चलाने के विरोध में आज काला दिवस मनाने का फैसला लिया गया था। जिसके चलते करनाल में किसानों द्वारा दोनों जगहों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है।

तस्वा ने फरीदाबाद में अपना पहला स्टोर लॉन्च किया

फरीदाबाद। आदित्य बिरला फैशन एण्ड रिटेल लिमिटेड और मशहूर डिजाइनर तरुण तहिलियानी के भारतीय मेन्सवियर ब्राण्ड तस्वा ने फरीदाबाद में कंपनी का पहला एक्सक्लूसिव स्टोर लॉन्च किया है। नया स्टोर पैसिफिक मॉल में स्थित है, जोकि फरीदाबाद का सबसे बड़ा मॉल है। यह स्टोर शहर और आस-पास के इलाके में रहने वाले ग्राहकों को आकर्षित करेगा। यहाँ कंपनी के नये नजरिये वाले और सावधानी से तैयार किये गये वेडिंग एवं ऑकेजन वियर की एक बड़ी रेंज होगी। इस रेंज में ग्राहकों को कंफर्ट और स्टाइल दोनों एकसाथ मिलेगा। फरीदाबाद में तस्वा का पहला स्टोर इस ब्राण्ड के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह तरक्की पर जोर देता है और फैशन तथा लाइफस्टाइल के बेजोड़ उत्पाद देने के लिये प्रतिबद्ध है। ब्राण्ड का नया स्टोर 1828 वर्गफीट में फैला है और यहाँ कुर्ता, बंडी, शेरवानी, बंदगला, अचकन, चूड़ीदार, अलीगढ़ी की एक शानदार रेंज है। हर परिधान में तरुण तहिलियानी का मशहूर स्टाइल दिखता है। डिटेल पर पूरा ध्यान देकर विशेषज्ञता के साथ तस्वा फिट को बनाया गया है। नये स्टोर के शुभारंभ के बारे में तस्वा के चीफ डिजाइन ऑफिसर तरुण तहिलियानी ने कहा, ह्यतस्वा लंबे वक्त से मेरा सपना था, जोकि आदित्य बिरला फैशन एण्ड रिटेल के जरिये संभव हुआ है। यह नाम ही किसी के सर्वोत्तम स्वरूप को व्यक्त करता है और हमने अपने ब्राण्ड को ऐसा बनाने में कड़ी मेहनत की है। काफी लंबे समय से मैं सुन रहा हूँ कि एथनिक वियर आरामदायक नहीं होता है और तस्वा इसी सोच को बदलने की कोशिश है। हमने ऐसे परिधानों को डिजाइन किया है, जो हमारे उपभोक्ता यानि भारतीय पुरुष को शानदार और अंतर्राष्ट्रीय स्तर देते हैं। इस लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, तस्वा के ब्राण्ड हेड आशीष मुकुल ने कहा, ह्यतस्वा ने ग्राहकों के साथ उल्लेखनीय ढंग से जुड़ाव बनाया है, क्योंकि इसके उत्पाद श्रेणी में सबसे बेहतरीन हैं। तस्वा मेन्स इंडियन वियर के उपभोक्ताओं को स्टोर का अनूठा अनुभव भी देता है। हमारे पास पुरुषों के लिये भारतीय अवसरों और शादियों के सारे परिधान तथा एसेसरीज हैं।

बोलार्ड लाइट व हाई मास्ट लाइट का संचालन एवं रख-रखाव करेगी एचपीएल एजेंसी

केएससीएल व एचपीएल प्रतिनिधियों की मीटिंग में निगमायुक्त ने दिए निर्देश

राजकुमार प्रिंस

करनाल: नगर निगम आयुक्त अभिषेक मीणा ने करनाल स्मार्ट सिटी लिमिटेड (के.एस.सी.एल.) और शहर में एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट लगाने का काम कर रही एजेंसी, हिंदूस्तान प्राईवेट लिमिटेड (एच.पी.एल.) के प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को एक मीटिंग की। मीटिंग में उन्होंने निर्देश दिए कि शहर में मौजूद बोलार्ड लाईट व हाई मास्ट लाईट का संचालन एवं रख-रखाव एच.पी.एल. एजेंसी करेगी। उन्होंने कहा कि यह कार्य आगामी 1 मार्च से शुरू हो जाना चाहिए।

स्ट्रीट लाईटों की ब्लिंकिंग की समस्या होगी दूर- स्ट्रीट लाईटों की ब्लिंकिंग की समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने एजेंसी प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि वह शहर का सर्वे कर 3 दिन के अंदर-अंदर रिपोर्ट पेश करें कि प्रकाश के झपकने की समस्या कहां ज्यादा आ रही है। इसे ठीक करने के लिए उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम से उन जगहों पर डिजिटल मीटर लगवाए जाएंगे। लाईटों का लोड यानि भार भी चैक किया जाए। इसके अतिरिक्त कोई अन्य जगह, जहां पर ऐसे मीटर लगवाए जाने की आवश्यकता हो, वहां भी लगवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इस कार्य के लिए एल्गोरिदम यानि कलन विधि का भी प्रयोग किया जा सकता है। स्ट्रीट लाईट सिस्टम आई.सी.सी.सी. से होगा कनैक्ट- उन्होंने के.एस.सी.एल. प्रतिनिधियों

जिम्मेवारी

8 स्ट्रीट लाईटों की ब्लिंकिंग की समस्या को दूर करने के लिए एजेंसी प्रतिनिधियों को निर्देश दिए

के हवाले से बताया कि स्ट्रीट लाईट सिस्टम आगामी 10 मार्च तक नगर निगम के द्वितीय तल पर स्थापित इंटीग्रेटिड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आई.सी.सी.सी.) से शत प्रतिशत जोड़ दिया जाएगा। इसके बाद यह समुचित कार्य करने लगेगा। इसके जुड़े से आई.सी.सी.सी. में बैठा कर्मचारी शहर में लगी लाईटों पर अपनी निगरानी रख सकेगा। उन्होंने बताया कि स्ट्रीट लाईट परियोजना 31 मार्च 2024 तक पूर्ण हो जाएगी। मोबाईल एप्लीकेशन की जा रही विकसित- उन्होंने बताया कि शहरवासियों की सुविधा के लिए एच.पी.एल. कम्पनी की ओर से एक मोबाईल एप्लीकेशन विकसित की जा रही है। इसकी सहायता से नागरिक खराब स्ट्रीट लाईट की शिकायत आसानी से कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि, की गई शिकायत का समाधान 48 घण्टे में किया जाएगा।

सोने की चेन चुराने वाला काबू, चेन बरामद

राजकुमार प्रिंस

करनाल: बर्गलरी स्टाफ की टीम द्वारा विश्वसनीय सूचना पर आरोपी सुरेश कुमार पुत्र मनसा राम वासी कैथल को कैथल से गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश करके एक दिन के रिमांड पर लिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान आरोपी की निशानदेही पर उसके कब्जे से 7 जनवरी को शिकायतकर्ता सतपाल के पुलिस लाइन में स्थित क्वार्टर से सोने की करीब डेढ़ तोले कीचोरी हुई चेन को बरामद किया गया। इस चेन की कीमत करीब एक लाख रुपए आंकी गई है। इस संबंध में अज्ञात आरोपी के खिलाफ थाना रामनगर में चोरी के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोपी से पूछताछ में पाया गया कि उसने लालच में आकर वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी सुरेश को चेन बरामदगी के बाद न्याययालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

काबू किया

8 पुलिस लाइन में स्थित क्वार्टर से सोने की करीब डेढ़ तोले कीचोरी हुई चेन को बरामद किया गया।

सरकार दे रही है सूक्ष्म सिंचाई पद्धति को बढ़ावा : हरिदेव कांबोज

करनाल

राजकुमार प्रिंस: जल बचाने व जल सिंचाई प्रबंधन के लिए हरियाणा सरकार सूक्ष्म सिंचाई पद्धति को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए किसानों को सरकार द्वारा 85 प्रतिशत अनुदान राशि भी दी जा रही है। इसके लिए किसानों को सूक्ष्म सिंचाई एवं कमान क्षेत्र विकास प्राधिकरण (मिकाडा) के पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करना होता है।

इस पद्धति के तहत ही खंड असन्ध के गांव बल्ला में किसान कृष्णचंद के खेत में 3.25 एकड़ में मिकाडा विभाग के माध्यम से नेटाफीम कम्पनी द्वारा ड्रिप सिस्टम लगाया गया है, जिसकी स्थापना वीरवार को मिकाडा डिवीजन करनाल के कार्यकारी अभियन्ता हरिदेव काम्बोज ने की। इस मौके पर जेई अभिषेक पाठक भी मौजूद रहे। उन्होंने किसान कृष्णचंद से बातचीत भी की, जिस पर किसान ने बताया कि वह सरकार द्वारा किसान हित में चलाई जा रही।

बिजली शिकायतों के निपटारे के लिए बैठक 27 फरवरी को

करनाल

राजकुमार प्रिंस: बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के लिए अध्यक्ष परिचालन उपभोक्ता शिकायत निवारण फोरम, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम, राजीव गांधी विद्युत सदन, सैक्टर-12 करनाल के कॉन्फ्रेंस हॉल में 27 फरवरी को प्रातः 11 बजे बैठक का आयोजन करेंगे। इसमें बिजली संबंधी वे समस्याएं, जिनका स्थानीय अधिकारियों से मिलने के बाद भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा है, को फोरम के समक्ष रखा जा सकता है। इस संबंध में उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम करनाल के अधीक्षक अभियंता कशिक मान ने बताया कि बैठक में ऐसे उपभोक्ता जिनका बिजली संबंधी केस कोर्ट में विचाराधीन हैं तथा जिनकी शिकायत या मामला दो वर्ष से पुराना है।

मुख्यमंत्री आज करेंगे 6 परियोजनाओं का शिलान्यास, एक का उद्घाटन

करनाल

राजकुमार प्रिंस: मुख्यमंत्री मनोहर लाल 24 फरवरी को करनाल प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री 6 परियोजनाओं का शिलान्यास और एक का उद्घाटन करेंगे। उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिये प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

उपायुक्त द्वारा कार्यक्रम स्थल का अधिकारियों की टीम के साथ दौरा किया गया और प्रबंधों का जायजा लिया गया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल 24 फरवरी को यहां कल्पना चावला मेडिकल कालेज ऑडिटोरियम से पांच परियोजनाओं को शिलान्यास करेंगे। इनमें 169.58 करोड़ की लागत से कल्पना चावला मेडिकल कालेज के फेज-दो का निर्माण, 14.88 करोड़ की लागत से घरौंडा हलका में कंबोपुरा गांव के नजदीक एलवीयूपी (लाइट व्हीकल अंडरपास) तथा राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर अन्य संबंधित कार्यों का निर्माण, 33.41 करोड़ की लागत से कुटेल स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय हैल्थ साईंस यूनिवर्सिटी में प्राइवेट वार्ड का निर्माण, गोहाना हल्का के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह राजकीय मेडिकल कालेज में 419.13 करोड़ की लागत से फेज-3 का निर्माण, पंडित भगवत दयाल शर्मा पीजीआईएमएस रोहतक में 155.36 करोड़ की लागत से बनने वाले प्राइवेट वार्ड और जींद जिला के सफीदों में 43.44 करोड़ की लागत से बनने वाले राजकीय नर्सिंग कालेज को निर्माण शामिल है।

तेजिन्द्र सिंह तेजी ने किया तालाबों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन

हरियाणा सरकार प्रदेश के तालाबों के सुधारीकरण की ओर विशेष ध्यान दे रही है

करनाल

राजकुमार प्रिंस: हरियाणा तालाब व अपशिष्टद जल प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य तेजिन्द्र सिंह तेजी ने आओ चले तालाब की ओर अभियान के तहत संबंधित अधिकारियों के साथ मिलकर खंड इन्द्री के गांव समौरा के तीनों तालाबों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तेजिन्द्र सिंह तेजी ने बताया कि हरियाणा सरकार प्रदेश के तालाबों के सुधारीकरण की ओर विशेष ध्यान दे रही है ताकि काफी समय से प्रायः मृत पड़े गन्दे तालाबों का जीर्णोद्धार किया जा सकें। उन्होंने बताया कि प्रदेश के लगभग साढे अठारह हजार तालाबों की दशा सुधारने के लिए ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने तालाब प्राधिकरण का गठन किया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में मुख्यमंत्री ने फतेहाबाद से नौ जिलों के 60 अमृत प्लस सरोवरों का उदघाटन किया है और जल्द ही अन्य जिलों के अमृत प्लस सरोवरों का उद्घाटन भी किया जाएगा।

उन्होंने गांव समौरा में तालाबों की स्थिति में सुधार करने के लिए निर्देश देते हुए कहा कि वे तालाबों पर चल रहे कार्य में तेजी लाएं, ताकि जनता को इनसे लाभ मिल सकें। उन्होंने कहा कि तालाबों के सुधारीकरण के कार्यों में किसी प्रकार की कोताही न बरतें और समयबद्व तरीके से कार्य करते हुए जल्द से जल्द कार्य को पूरा करें। उन्होंने बताया कि समौरा के करू तालाब पर सोलर वाटर पंप के जरिये किसानों को सिंचाई के लिए पानी भी उपलब्ध करवाया जा रहा है और जल्द ही गांवों में स्थित पंडित वाले तालाब पर भी सोलर वाटर पंप लगवा दिया जाएगा, ताकि इस किसानों को सिंचाई के पानी उपलब्ध होने के साथ-साथ इन तालाबों में गन्दें पानी की अधिकता होने वाली ऑवर फ्लों की समस्या भी समाप्त होगी।

तेजी ने बताया कि तालाबों पर गन्दे पानी के उपचार के लिए वैटलैंड व सिंचे वाला तकनीक के माध्यम से पानी का उपचार किया जाएगा, ताकि उपचारित पानी का उपयोग सिंचाई, मछली पालन व पशुओं के पीने के लिए किया जा सकें। इस मौके पर पंचायती राज विभाग के एसडीओ हुकम सिंह, एसडीओ हिमांशु पंजेटा, जेई लखविन्द्र सिंह, पंचायत सचिव नवीन कुमार सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

गर्दन का दर्द सर्विकल स्पोंडिलोसिस का संकेत हो सकता है

झज्जर : बदलती जीवनशैली के साथ रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याएं भी बढ़ रही हैं। ये वर्क फ्रॉम होम प्रोफेशनल्स के साथ हर उम्र के लोगों में आम होती जा रही हैं। अध्ययनों में सामने आया है कि 128.1% से ज्यादा वयस्क सर्विकल स्पोंडिलोसिस जैसी रीढ़ की किसी न किसी समस्या से पीड़ित हैं।इस मामले में डॉ. अनुराग सक्सेना, एचओडी एवं कंसल्टैंट सर्जिकल न्यूरोसर्जरी, मणिपाल हॉस्पिटल, दिल्ली ने बताया, सर्विकल स्पोंडिलोसिस शुरूआती चरण में कोई संकेत प्रदर्शित नहीं करता, लेकिन गर्दन में दर्द और जकड़न इसके सबसे आम लक्षण हैं। गर्दन के दर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह सर्विकल स्पोंडिलोसिस की वजह से हो सकता है। लोग अक्सर अंगों के सुन्न पड़ने या कमजोरी, गर्दन में दर्द जो एक या दोनों भुजाओं तक फैलता हो, गर्दन घूमने में मुश्किल, चलने में कठिनाई, तालमेल में कमी, मूत्राशय या आंत्र नियंत्रण की समस्याएं और बार-बार सिरदर्द जैसे लक्षणों पर ध्यान नहीं देते हैं। सर्विकल स्पोंडिलोसिस में उम्र की एक महत्वपूर्ण भूमिका है। 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को इसका खतरा ज्यादा होता है। लंबे समय तक बैठकर काम करने और कम शारीरिक गतिविधि के कारण इसका जोखिम बढ़ जाता है। यह गर्दन में पहले कभी चोट लगने और आनुवंशिक कारणों से भी हो सकता है। धूम्रपान से भी गर्दन का दर्द बढ़ता है। नियमित व्यायाम और फिजिकल थेरेपी सर्विकल स्पोंडिलोसिस से आराम दे सकती हैं। मांसपेशियों के खिंचाव और उन्हें मजबूत बनाने तथा शारीरिक मुद्रा में सुधार लाने पर केंद्रित व्यायाम इसमें मदद करते हैं। बर्फ की और गर्म मालिश भी दर्द और परेशानी से राहत दे सकती है।सर्विकल स्पोंडिलोसिस से आराम पाने के लिए स्वस्थ आहार भी जरुरी है।

प्लास्टिक पर पुनर्विचार विषय पर व्याख्यान आयोजित

दलबीर मलिक

कुरुक्षेत्र: कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग में भूगोल समिति द्वारा प्लास्टिक पर पुनर्विचार वह सब कुछ जो आपको जानना जरूरी हैह्व विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. संजीव अरोड़ा, केयू रसायन विभाग का भूगोल विभाग की प्रो. राजेश्वरी ने स्वागत किया। मुख्य वक्ता प्रो. संजीव अरोड़ा ने प्लास्टिक के इतिहास, इसके प्रकार, उपयोग व गुणों तथा अवगुणों के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने विशेष रूप से एकल उपयोगी प्लास्टिक को प्रयोग में न

लाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि एकल उपयोगी प्लास्टिक पर्यावरण, मनुष्य व जीवां के लिए अत्यंत हानिकारक है।

उन्होंने एकल उपयोगी प्लास्टिक जैसे शैम्पू पाउच, जूस, स्ट्रॉ आदि पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगाने की सलाह दी। भूगोल विभाग के अध्यक्ष प्रो. एसपी कौशिक ने विषय पर अति महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने के लिए मुख्य वक्ता का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, शोधार्थी व छात्र उपस्थित रहे।

'जीवन को संतुलित बनाने के लिए योग का अभ्यास जरूरी'

करनाल

राजकुमार प्रिंस: मेरा मिशन स्वस्थ भारत के तहत हर घर परिवार सूर्य नमस्कार प्रतियोगिता, मिशन प्रमुख दिनेश गुलाटी के नेतृत्व में बाबा बालकनाथ मंदिर एलआईसी कक्षा से आयोजित की गई। प्रतिस्पर्धा का मुख्य उद्देश्य लोगों को योग से जोड़ना है। प्रतियोगिता के दौरान दिनेश गुलाटी ने बताया कि सूर्य नमस्कार सुबह के समय खुले में पूर्व दिशा में, उगते सूरज से करना चाहिए, जिससे उगते सूरज के प्रकाश से विटामिन डी मिलता है, हड्डियां मजबूत होती हैं, त्वचा

स्वस्थ रहती है और मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है। प्रतियोगिता में लगभग सभी शिक्षकों और साधकों ने भाग लिया। महिला वर्ग से राधिका भाटिया, कोमल कंबोज और शर्मिला विजयी हुए। पुरुष वर्ग से सतीश कुमार, बलराज और सुशील विजयी रहे। दंपत्ति प्रतियोगिता के कोमल कंबोज और संदीप कंबोज चुने गए। दिनेश गुलाटी ने एलआईसी के कर्मठ साथी जसवंत को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया।

योगाभ्यास

8 सूर्य नमस्कार सुबह के समय खुले में पूर्व दिशा में, उगते सूरज से करना चाहिए

इस अवसर पर शिक्षिका राधिका भाटिया, कोमल कंबोज, नवजोत, शर्मिला, शशि, सुनीता, संजम, मीनाक्षी, जसवंत, सतीश, अमरसिंह, बलराज, ओम दत्त और अन्य कई साधक मौजूद रहे।

'मुख्यमंत्री कप-2024 के लिए 26 फरवरी तक कर सकते हैं ऑनलाईन पंजीकरण'

राज्य स्तर पर विजेता टीमों को 2 लाख का प्रथम पुरस्कार, डेढ़ लाख का द्वितीय पुरस्कार तथा 1 लाख का तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा

करनाल

राजकुमार प्रिंस

हरियाणा मुख्यमंत्री कप-2024 के लिए 14 से 23 आयु वर्ग के महिला एवं पुरूष खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। इन खेलों में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को पोर्टल हरियाणास्पोर्टसडॉटजीओवीडॉटइन पर 26 फरवरी तक आवेदन करना होगा। प्रदेश के सभी ब्लाकों में 28 फरवरी से 3 मार्च तक, जिला स्तर पर 5 मार्च को, मंडल स्तर पर 7 मार्च को तथा 9 मार्च तक राज्य स्तर पर आयोजित करवाएं जाएंगे।

यह जानकारी खेल विभाग के प्रधान सचिव नवदीप विर्क ने शुक्रवार को वीडियों कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला

उपायुक्तों को दी। उन्होंने बताया कि हरियाणा मुख्यमंत्री कप 2024 खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं का रूझान खेलों के प्रति बढ़ाना है। ताकि युवा अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग कर सकें। उन्होंने यह भी बताया कि इन प्रतियोगिता में ग्रामीण क्षेत्र में रहने वाले लोगों का भरपूर सहयोग लिया जाएगा और ग्राम पंचायतें भी अपना सहयोग देगीं। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि अपने-अपने जिलों में उक्त खेल प्रतियोगिता को लेकर पंचायत विभाग, शिक्षा विभाग के सहयोग के साथ-साथ कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने बताया कि राज्य स्तर पर खेल प्रतियोगिता में विजेता टीमों को नकद राशि का पुरस्कार दिया जाएगा जिसके तहत 2 लाख रूपए की राशि का प्रथम पुरस्कार, डेढ़ लाख रूपए की राशि का द्वितीय पुरस्कार तथा 1 लाख रूपए की राशि का तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा। वीसी में खेल विभाग के निदेशक यशविन्द्र सिंह ने बताया कि हरियाणा मुख्यमंत्री कप-2024 का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में 6 खेलों को शामिल किया गया है।

आयोजन

8 यशविन्द्र सिंह ने बताया कि हरियाणा मुख्यमंत्री कप-2024 का आयोजन किया जाएगा

कैथल रोड पहुंची भगवान शिव की पालकी

जय भोलेनाथ

8 भोलेनाथ की महिमा का गुणगान करते हुए शिव भक्त मोहन शर्मा के निवास पर विश्राम लिया

राजकुमार प्रिंस

करनाल: शिव प्रभातफेरी की ओर से निकाली जा रही भगवान शिव की पालकी शुक्रवार को कैथल रोड पहुंची, जहां शिव भक्तों ने पालकी पर पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर भगवान शिव का आशीर्वाद लिया। मधुर भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर

आए। आज प्रभातफेरी कैथल रोड पुलिस लाइन शिव मंदिर से प्रारंभ हुई और भोलेनाथ की महिमा का गुणगान करते हुए शिव भक्त मोहन शर्मा के निवास पर विश्राम लिया। मंच के प्रधान सतपाल मनोचा ने कहा कि 8 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह है। उन्होंने कार्यक्रम में बढ़ चढकर शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं का आह्वान किया। इस अवसर पर मोहन शर्मा, विकास भुटानी, भारत भूषण, रामगोपाल, शशि भूषण, काले राम, अनिल छाबड़ा, प्रमोद नागपाल, प्रवीन सचदेवा, गगन सचदेवा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

फल भी हुए ग्लोबलाइज

ठंड में भी आप आम का मजा ले सकते हैं और गर्मी में अमरूद खा सकते हैं, लेकिन विदेशी। ये विदेशी फल स्वाद और सेहत के साथ-साथ स्टेटस सिंबल भी बनते जा रहे हैं।

कुछ दिनों पहले की बात है, मैं सुबह-सुबह अपने घर के बाहर खड़ा था। तभी एक आदमी साइकल पर 'भुट्टे ले लो' की आवाज के साथ सामने से निकला। कॉलोनी में रहने वाले एक अंकल ने उसे रोका और पूछा 'अमेरिकन भुट्टे हैं क्या?' मेरे मन में यह विचार कौंधा कि अब सब कुछ ग्लोबलाइज्ड हो गया है। बड़े शहरों के पॉश इलाकों से लेकर छोटे शहरों में कई स्टोर खुल गए हैं, जो विदेशी फल भी बेचते हैं। यही नहीं, कुछ फेरी वाले तो इन विदेशी फलों को गली-मुहल्ले तक भी ले आते हैं। बदलते जमाने की यह भी एक तस्वीर है।

फलों की दुकानें संसार के अलग-अलग कोनों से आयातित फलों को लोगों तक पहुँचा रही हैं। इसके लिए किसी खास मौसम का इंतजार करने की जरूरत नहीं। ठंड में भी आप आम का मजा ले सकते हैं और गर्मी में अमरूद खा सकते हैं, लेकिन विदेशी। ये विदेशी फल स्वाद और सेहत के साथ-साथ स्टेटस सिंबल भी बनते जा रहे हैं। महानगरों में इनकी खरीदी करने वाले लोग बड़ी संख्या में हैं। खासतौर पर बड़े तथा नामी स्टोर्स में विभिन्न देशों की चीजें आसानी से मिल जाती हैं फिर चाहे वे अमेरिका के सेब हों या इसराइल के संतरे। अफ्रीका का बब्बूगोशा तो हर जगह किसी भी मौसम में मिल जाता है। अब इस फल का स्वाद चखने के लिए रामपुर के बब्बूगोशे के आने का इंतजार नहीं करना पड़ता। इसी तरह थाईलैंड की पीली लीची भी खूब बिकती है। आइए जानें ऐसे ही कुछ और फलों के बारे में।

आम- फलों का राजा आम जब बिना सीजन के खाने को मिल जाए तो भला कोई क्यों गर्मियों का इंतजार करे। इसलिए लोगों को थाईलैंड से आया आम भी बहुत आकर्षित करता है।

सेब- पूरी दुनिया में खाए जाने वाले इस फल के विदेशी संस्करण देश में कई जगह मिलने लगे हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और अमेरिका के सेब बहुत मशहूर हैं। देखने में सबसे अच्छा वाशिंगटन का सेब और खाने में सबसे अच्छा न्यूजीलैंड का सेब होता है। फिर हर मामले में हमारे बाजार पर छाने वाला चीन भी इस मामले में कैसे पीछे रह सकता है। सो, वहाँ का सेब भी हमारे यहाँ मिलने लगा है।

नाशपाती- देसी नाशपाती का तो मौसम अलग ही होता है, लेकिन अब नाशपाती हमें सालभर उपलब्ध रहता है। इसका कारण यूएसए से आने वाली फलों की खेप है। यह उस समय आती है, जब यहाँ नाशपाती का सीजन नहीं होता।

कीवी- यह फल अपने सर्वथा अलग स्वाद के कारण मशहूर है। यह मुख्यतया न्यूजीलैंड, इटली और चीन से आयात किया जाता है।

इस तरह के जितने भी फल आयात किए जाते हैं उनकी कीमत देसी फलों की तुलना में ज्यादा होती है। इसका कारण आयात में लगने वाला शुल्क है। खैर...यूँ भी फल खाना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक ही है, फिर चाहे वह देसी हो या विदेशी।

आभूषण पहने मगर...

प्राचीन काल से आभूषण नारी सौन्दर्य के प्रतीक रहे हैं, आभूषणों के अभाव में नारी सौन्दर्य को अपूर्ण माना जाता है लेकिन इसके साथ यह भी सत्य है कि आभूषणों का उपयुक्त चयन जहां सौन्दर्य को आकर्षक रूप प्रदान करता है वहीं आभूषणों का गलत चयन अच्छे-भले सौन्दर्य को भी अनाकर्षक बना देता है इसलिए आभूषण पहनें मगर रखें ख्याल-

- आभूषणों का चुनाव करते समय सर्वप्रथम अपनी आयु एवं अवस्था का ध्यान रखें।
- डिजाइनर आभूषणों का चुनाव सदैव अपनी लाइफ स्टाइल व शरीर की बनावट के अनुरूप करें।
- युवतियों को सदैव नाजुक और स्टाइलिश आभूषण पहनने चाहिएं।
- अधिक आयु की महिलाओं को न अधिक हैवी और न ही बहुत लाइटवेट आभूषणों को धारण करना चाहिए।
- सगाई या शादी के शुभ अवसर पर लाइट और फैंसी आभूषण वस्त्रों के रंग से मिलता हुआ चयन करना चाहिए।
- दुबली-पतली महिलाओं द्वारा अधिक भारी आभूषण पहनना उन्हें हास्यास्पद बनाता है। इससे बचें।
- गोल चेहरे की महिलाओं को बड़े ईयर रिंग पहनने चाहिएं न कि छोटे टॉप्स या छोटे रिंग।
- चेहरा यदि लम्बा है तो बड़े ईयर रिंग पहनने की बजाय छोटे टॉप्स पहनें। वे अधिक सुंदर लगेंगे।
- साड़ी पहन रही हों तो उसके साथ लम्बी या छोटी चेन पहनें। छोटी चेन के साथ बड़ा पैंडेंट अधिक आकर्षक दिखाई पड़ता है।

ज्ञात हो कि ओवल शेप फेस गहनों के लिए आइडियल होता है क्योंकि ओवल शेप फेस पर हर प्रकार की ज्यूलरी सूट करती है।

बेक्ड मैंगो कुकीज

सामग्री- आम (तोतापरी) 1 किलोग्राम, शकर (पिसी) 350 ग्राम, मैदा 500 ग्राम, बेकिंग पावडर 1/2 टी स्पून, घी 250 ग्राम, इलायची पावडर 1 छोटा चम्मच।

विधि- आम को छीलकर कद्दूकस करें। मैदा व बेकिंग पावडर छान लें। घी गरम करके इसमें मिलाएँ। अब इलायची पावडर, पिसी शकर और किसा हुआ आम मिलाएँ, फिर रोटी जैसा गूँथ लें। यदि जरूरत हो तो दूध के छींटे दें। अब 1/2 इंच मोटी रोटी बेलें, इसे मनचाहे डिजाइन में काट लें और गर्म ओवन में सुनहरे होने तक (लगभग 15 मिनट) बेक करें। ठंडा होने पर खाएँ-खिलाएँ।

खूबसूरत त्वचा का राज

त्वचा को कोमल,चमकदार बनाए रखने के लिए जरूरत होती है। तो बस थोड़ी देखभाल की। इसके लिए पहले यह जानना जरूरी है कि हमारी त्वचा किस प्रकार की है? त्वचा, चार तरह की होती है सामान्य त्वचा, रूखी त्वचा, तैलीय त्वचा और मिश्रित त्वचा।

देखभाल कैसे करें:-

- सामान्य त्वचा हो तो दिन में दो बार हल्के चिकनाईयुक्त क्लींजर से साफ करके किसी सौम्य साबुन से चेहरा धोएं।
- इसके बाद चेहरे की टोनिंग करें। कॉटन वूल पर कुछ बूंदें टोनर की डाल कर चेहरे और गर्दन पर थपथपाएं। यह त्वचा को कसाव प्रदान करेगा।
- अब चेहरे पर मॉइश्चराइजर लगाएं। आंखों के चारों ओर कोई अच्छा जैल या आई क्रीम लगाएं।
- रात को सोने से पहले किसी भी तरह का मेकअप साफ करके सोएं।
- विटामिन ई युक्त कोल्ड क्रीम लगाकर पंद्रह मिनट के लिए छोड़ दें फिर गीली रूई से साफ कर दें।

फेस पैक:-

- त्वचा की चमक कायम रखने एवं मृत त्वचा को क्रीम लगाएं।
- अब गीली रूई से चेहरा साफ कर कोई अच्छी नाइट क्रीम लगा कर सोएं। इससे रूखी त्वचा पर नमी बनी रहेगी।

जैसा चेहरा, वैसा हो हेयर स्टाइल

महिलाएं दूसरों की देखादेखी अपना हेयर स्टाइल न बदले

नए हेयर कट के ट्रेंड को फॉलो न कर युवतियां अपने बाल फेस के मुताबिक ही कटवाएं, ताकि आपके बाल आपकी पहचान न बदल दें। अक्सर नए ट्रेंड के चक्कर में अपने पुराने हेयर स्टाइल से भी हाथ धो बैठती हैं। इसलिए ट्रेंड को अपने फेस के मुताबिक ही अपनाएं। हेयर स्टाइलिस्ट मानते हैं कि हेयरकट के लिए ज्यादातर युवतियां सिर्फ फैशन को ध्यान में रखती हैं, जिस वजह से उनकी पर्सनेलिटी और फेस के मुताबिक हेयर कट देना कठिन हो जाता है। हेयर कट के समय फेस के फीचर्स को ध्यान में रखना बेहद जरूरी होता है। हेयर स्टाइलिस्ट मैक्स बताते हैं कि हर किसी का हेयर टाइप व हेयर कलर अलग होता है। हेयर कट से पहले केवल फैशन को ध्यान में न रखते हुए व्यक्ति के फीचर्स को ध्यान में रखा जाता है। स्क्वेयर फेस वाली युवतियों को सेंटर पार्टिंग के लिए मना किया जाता है, वहीं ओवल शेप फेस पर कोई भी कट अच्छा लग सकता है। इसीलिए हम हेयर कट से पहले क्लाइंट को उसके फेस पर अच्छे लगने वाले हेयर स्टाइल के बारे में बता देते हैं।

कैसा है आपका फेस कट?

- अगर आपका चेहरा लंबा है, तो आप पार्म या लेयर्स कट करवा सकती हैं। लंबे चेहरे वालों पर ब्लंट कटिंग बिलकुल अच्छी नहीं लगती।
- जिनका फेस ओवल शेप में होता है, उन पर लॉन्ग और शॉर्ट दोनों तरह की हेयर कट अच्छे लगते हैं। ऐसे लोग कोनिकल कट करवाएं, तो अच्छा लगता है।
- अगर आपकी गर्दन लंबी है और फेस छोटा है, तो आप पर इटैलियन और शॉर्ट लेयर्स ज्यादा अच्छे लगेंगे।
- आपका चेहरा चौड़ा या स्क्वेयर शेप है, तो आपको ऐसा हेयर स्टाइल करवाना चाहिए, जो आपकी जॉ बोर्न को ढंक सके। ऐसा करने से आपका चेहरा बैलेंस्ड लगेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में न पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। घर-दोस्तों के साथ जल्दी में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान होगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): भातृपक्ष से विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी होगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बन रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-5-7-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। 'आगे-आगे गोरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निद्रा से त्रिया नया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यावसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभीष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-2-3-5

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्यवहारिक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। आर्थिक चिंताएं कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से काम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1997

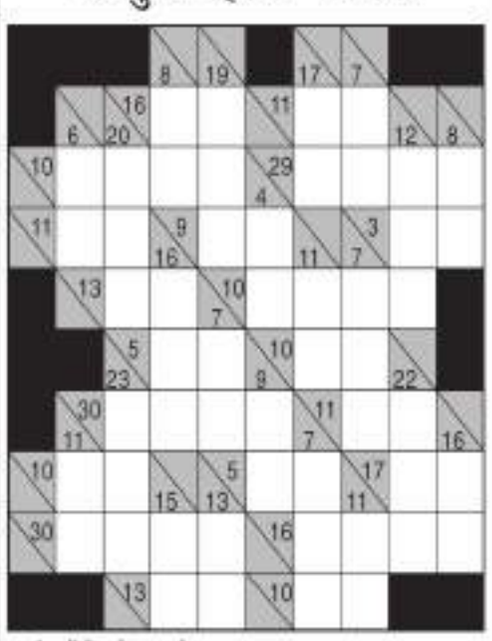

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आये वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 1996 का हल

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मैं घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

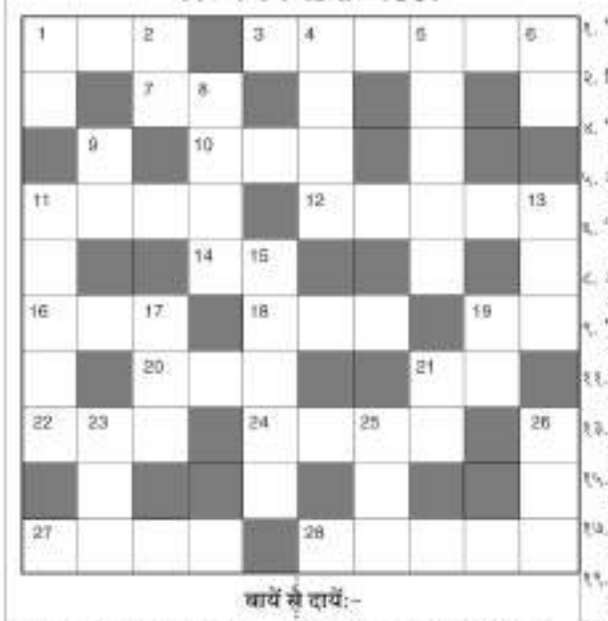

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली- 1997

बायें से दायें:-

१. नाना, सलमान, सीमा, मनीषा की 'आज मैं ऊपर' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जै जै शिवशंकर' गीत वाली संजीव कुमार, राजेश, मुमताज की फिल्म-३,२
७. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, माधवबाने की 'आज की रात नया चांद' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली अजय, मा.सत्यजीत, अलका की फिल्म-३
११. मनोजकुमार, वहीदा की 'वो परी कहां से लाऊं' गीत वाली फिल्म-४
१२. 'राम हो क्या तुम' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-२,३
१४. फिल्म 'बावरे नैन' में राजकुमार के साथ नायिका कौन थी?-२
१६. अमिताभ, नीतूसिंह की 'खुदा भी मन को' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये चला बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
१९. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिल ने चाहा है क्या' गीत वाली सनी देओल, फराह की फिल्म-२
२१. फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन है?-२
२२. संजयदत्त, फराह की 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'तूने जिंदगी में आके' गीत वाली बॉबी देओल, अक्षय खन्ना, अमीषा पटेल की फिल्म-४
२७. अमिताभ, वहीदा, नीतू सिंह की 'हमका ऐसा वैसा ना' गीत वाली फिल्म-४
२८. फिल्म 'मासूम' का नायक था-१,३

ऊपर से नीचे:-

१. 'बाबा जा' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२. मिथुन चक्रवर्ती, मुनमुन सेन की १९८६ की एक फिल्म-२
४. 'एक चतुर नार' गीत वाली सुनीलदत्त, किशोरकुमार, सायराबानो की फिल्म-४
५. अनिल, जैकी, पूजा भट्ट की 'जो मांग या ख्वाब में' गीत वाली फिल्म-२,१,२
६. 'रूको रूको सी जिंदगी' गीत वाली आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
८. अजय देवगन, अक्षय, उर्मिला की 'ये लड़की ये सारंगी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'राजा की आयेगी बारात' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
११. राकेश रोशन, रेखा की 'आज उनसे पहली' गीत वाली फिल्म-३,२
१३. 'जाना तेरे प्यार में' गीत वाली अमिषा पटेल, इमरान हाशमी, मल्लिका की फिल्म-३
१५. प्रदीपकुमार, बीना राय की 'पाँव छू लेने दो' गीत वाली फिल्म-५
१७. 'कजरी सुनो देखी' गीत वाली अनिलकपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१९. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में महिमा के साथ नायक कौन था-२
२१. 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली राजेशखन्ना, बबीता की फिल्म-२
२३. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की 'चुपके से दिल देदे' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'गंवार' में नायक कौन था-३
२६. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 1996

सूडोकु -1997

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

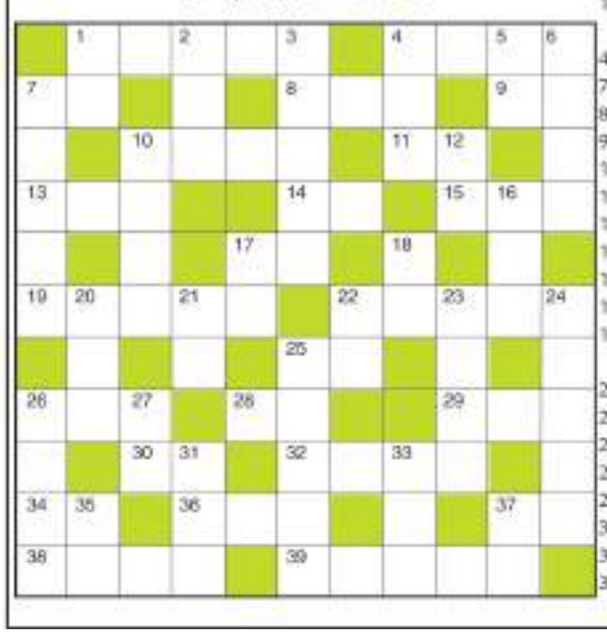

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1996 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	8	1	2	3	7	6	4
2	4	6	5	7	9	3	8	1

शब्द पहेली - 1997

बाएं से दाएं

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बड़प्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपवित्र पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.गाड़ी,रथ-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.मायका,नन्दन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्द्र,हुत-2
19.खवाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उदेश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.बाढ़,संख्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चिंता-3
32.निष्ठावान,स्वामिभक्त-4
34.बेईमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.पायदान,पंजाब-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमाल,श्रम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्ठता-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वेटलकाखी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 1996 का हल

पिता और भाई की मौत से टूट गए थे आकाशदीप, 3 साल रहे क्रिकेट से दूर; फिर ऐसे तय किया टीम इंडिया तक का सफर

नई दिल्ली.एजेंसी

बिहार के सासाराम के रहने वाले आकाशदीप ने शुक्रवार 23 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा। उन्होंने टीम इंडिया के लिए इंग्लैंड के खिलाफ रांची के मैदान पर टेस्ट डेब्यू किया। एक समय पर रांची भी बिहार का हिस्सा था। ऐसे में कहा जा सकता है कि उनके ये डेब्यू और भी ज्यादा यादगार रहा। हालांकि, उनको पहले क्रिकेट के लिए इंतजार करना पड़ा, क्योंकि उन्होंने बल्लेबाज को बोल्ड तो कर दिया था, लेकिन गेंद नो बॉल थी। हालांकि, हम यहां बात करने जा रहे हैं कि उनका सफर भारतीय टीम तक पहुंचने में कैसा रहा।

आकाशदीप को क्रिकेट खेलने का शौक था, लेकिन उनके पिता उनका सपोर्ट करने के लिए तैयार नहीं थे। ऐसे में उन्हें पिता ने हतोत्साहित किया, लेकिन उनका प्लान नाम की तरह बुलंदियां छूने का था। वह नौकरी खोजने के बहाने दुर्गापुर के लिए रवाना हुए और उनको अपने चाचा का समर्थन मिला। वह वहां एक स्थानीय एकेडमी में गए, जहां उन्हें अपनी पेस के लिए प्रसिद्धि मिलनी शुरू हुई। हालांकि, उनके पिता को दिल दौरा पड़ा और उनकी मृत्यु हो गई।

दो महीने बाद उनके बड़े भाई का भी निधन हो गया। इस तरह वे बुरी तरह टूट गए।घर में पैसे नहीं थे और उसे अपनी मां की देखभाल करनी थी। इसके चलते उन्हें तीन साल के लिए खेल से बाहर होना पड़ा।

उन्होंने अपने जीवन को फिर से बनाने की कोशिश में बिताए, लेकिन उन्हें एहसास हुआ कि उनका क्रिकेट का सपना इतना बड़ा था कि उसे जाया नहीं जाने दिया जा सकता था। दुर्गापुर लौट आए, और फिर अंततः कोलकाता चले गए, जहां उन्होंने एक छोटा कमरा किराए पर लिया और अपने चचेरे भाई के साथ रहने लगे। इसके बाद उनका क्रिकेट से नाता फिर से जुड़ा और वे आगे बढ़ते चले गए।शुरुआत में उनको बंगाल की अंडर-23 टीम में मौका मिला और जल्द ही उनको रणजी ट्रॉफी डेब्यू करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

आर अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी बने

नई दिल्ली. भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में इतिहास रच दिया। शुक्रवार 23 फरवरी को रांची में शुरू हुए पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले के पहले दिन अश्विन ने जैसे ही पहली सफलता हासिल की, वैसे ही वे टेस्ट क्रिकेट में एक देश के खिलाफ 100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए। एक देश के खिलाफ इस मुकाम को हासिल करने वाले अश्विन एशिया के पहले खिलाड़ी हैं।

अश्विन ने lbw के रूप में जॉनी बेयरस्टो को चलता किया और

इंग्लैंड का टेस्ट क्रिकेट में 100वां विकेट हासिल किया। वे इस टीम के खिलाफ 1000 रन पहले ही पूरे कर चुके हैं। एक्टिव बॉलर्स में ऑस्ट्रेलिया के नाथन लियोन इंग्लैंड के खिलाफ 100 या उससे अधिक विकेट लेने में सफल रहे हैं, लेकिन उन्होंने 1000 से ज्यादा रन इस देश के खिलाफ नहीं बनाए हैं। शेन वॉर्न भी इंग्लैंड के खिलाफ 100 से ज्यादा विकेट ले चुके हैं।

ऑफ स्पिनर अश्विन इंग्लैंड के खिलाफ 1085 रन बना चुके हैं और अब 100 विकेट भी प्राप्त कर लिए हैं। भारत के लिए इंग्लैंड के खिलाफ ये 100 विकेट लेने वाले पहले खिलाड़ी बने हैं। अश्विन से पहले बी चंद्रशेखर के नाम 95 विकेट थे। अनिल कुंबले ने 92 विकेट इंग्लैंड के खिलाफ चटकाए थे, लेकिन अश्विन ने इन दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। इंग्लैंड के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में भी अश्विन के नाम अब भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट हैं।

जो रूट ने बनाया अद्भुत रिकॉर्ड

इस उपलब्धि को हासिल करने वाले इंग्लैंड के पहले बल्लेबाज बने

नई दिल्ली. दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने इंग्लैंड की टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट में एक अद्भुत रिकॉर्ड बना दिया है। वे इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार 50 से अधिक रनों की पारी खेलने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। जो रूट ने भारत के खिलाफ जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की सातवीं पारी में पहला अर्धशतक जड़ा। इसी के साथ वे इंग्लैंड के लिए एक खास उपलब्धि हासिल करने में सफल हुए।

जो रूट पूर्व कप्तान एलेस्टर कुक का रिकॉर्ड धराशायी करने में सफल हुए। जो रूट ने 91वीं बार टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए 50 से ज्यादा रन बनाए। कुक ने 90 बार टेस्ट क्रिकेट में ऐसा किया था। जो रूट ने 60वां अर्धशतक रांची के मैदान पर भारत के खिलाफ जड़ा। 31 शतक उनके बल्ले से निकले हैं और इस तरह वे 91 बार फिफ्टी प्लस रन बनाने में सफल हुए और उन्होंने एलेस्टर कुक को पछाड़ दिया।

ये दिग्गज बल्लेबाज 90 से ज्यादा बार टेस्ट क्रिकेट में 50 प्लस रन की पारी खेलने वाला दुनिया का छठा

बल्लेबाज बना है। सचिन तेंदुलकर, जैक कैलिस, रिकी पोंटिंग, राहुल द्रविड़ और शिवनारायण चंद्रपाल ने 91 या इससे ज्यादा बार 50 प्लस रन की पारी टेस्ट क्रिकेट में खेली है।

सचिन, कैलिस और पोंटिंग 100 से ज्यादा बार ये कारनामा कर चुके हैं। सचिन तेंदुलकर एकमात्र बल्लेबाज हैं, जो 110 से ज्यादा बार ये कमाल कर चुके हैं।जो रूट इस सीरीज में अभी तक उतने प्रभावी नजर नहीं आए थे। वे बैजबॉल अंदाज में खेल रहे थे और लगातार खराब शॉट खेलकर आउट हो रहे थे। हालांकि, रांची में उन्होंने अपनी पुरानी अप्रोच को अपनाया और सीरीज का अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। रूट ने भारतीय टीम के लिए भी मुश्किलें बढ़ाने का काम किया, क्योंकि उन्होंने छठे विकेट के लिए बेन फोक्स के साथ मिलकर शतकीय साझेदारी पूरी की थी।

धोनी कब लेंगे आईपीएल से संन्यास, पूर्व क्रिकेटर बोले- ये तो सिर्फ....

नई दिल्ली.एजेंसी

पूर्व भारतीय विकेट कीपर और मौजूदा कमेंटेटर पार्थिव पटेल का कहना है कि केवल एमएस धोनी ही उनके इंडियन प्रीमियर लीग के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगा सकते हैं। आईपीएल 2024 सीजन की शुरुआत से पहले ही इस बात की चर्चा है कि क्या ये माही का बतौर खिलाड़ी आखिरी आईपीएल होगा, क्या वह आखिरी बार चेन्नई सुपर किंग्स की पीली जर्सी में फैंस का मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे?

धोनी की अगुवाई में चेन्नई सुपर किंग्स ने पिछले साल अपना 5वां आईपीएल खिताब जीता था। अब सीएसके आईपीएल के इतिहास में सबसे ज्यादा 5 खिताब जीतने वाली संयुक्त रूप से पहली टीम बन गई है। उनके अलावा मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में इतने टाइटल जीते हैं। बात धोनी की करें तो पिछले साल भी उनके संन्यास की अटकलें जोरों पर थी, मगर माही ने आईपीएल 2024 में खेलने की इच्छा जताई। हालांकि 42 साल के धोनी के लिए बतौर खिलाड़ी ये आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है।धोनी के संन्यास को लेकर पार्थिव पटेल ने जियोसिनेमा पर कहा, हर 10 महीने में एक बार खेलने के लिए आते हुए, हर बार हम इस बारे में बात करते हैं कि ये दो महीने उनके (धोनी) क्रिकेट के आखिरी महीने हैं.

श्रेयस अय्यर और ईशान किशन पर BCCI लेने जा रही है ऐक्शन, मिल सकती है रणजी ट्रॉफी छोड़ने की सजा

नई दिल्ली.एजेंसी

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर और विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई की ओर से हो सकती है। श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को रणजी ट्रॉफी छोड़ने की सजा मिल सकती है। दोनों को बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर रखा जा सकता है, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने तथाकथित रूप से फर्स्ट क्लास क्रिकेट की जगह

आईपीएल को तरजीह दी है।

मार्च 2023 के बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में श्रेयस अय्यर ग्रेड बी का हिस्सा थे। उनको सालाना 3 करोड़ रुपये इसके लिए मिलते हैं, जबकि ईशान किशन सी ग्रेड में शामिल थे। उनकी सालाना आमदनी एक करोड़ रुपये है। रिपोर्ट्स की मानें तो बीसीसीआई जल्द सालाना करार का ऐलान करने वाली है और इन दोनों को डोमेस्टिक क्रिकेट नहीं खेलने की सजा मिल सकती है। दोनों को सालाना अनुबंध से बाहर किया जा सकता है। एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया, "अजीत अगारकर के नेतृत्व में चयनकर्ताओं ने 2023-24 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची को लगभग अंतिम रूप दे दिया है, जिसकी घोषणा बीसीसीआई जल्द ही करेगी।

जो रूट ने छोड़ा बैजबॉल का दामन, तो माइकल वॉन ने खुश होकर दिया नया नाम; क्या बेन स्टोक्स करेंगे पसंद

नई दिल्ली.एजेंसी

इंग्लैंड की बैजबॉल रणनीति को भारत में फेल होता देख पूर्व इंग्लिश खिलाड़ी खुश नहीं हैं। नासिर हुसैन और माइकल वॉन जैसे पूर्व कप्तानों ने तो टीम को परिस्थिति के अनुसार खेलने की सलाह दे दी है, हालांकि इसके बावजूद इंग्लैंड की टीम बैजबॉल का दामन छोड़ने का नाम नहीं ले रही है। मगर जब टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज जो रूट ने रांची टेस्ट में बैजबॉल को दरकिनार कर अपने पारंपरिक रूप में बल्लेबाजी की तो माइकल वॉन का दिल बाग-बाग हो गया, उन्होंने जो रूट के इस बैटिंग स्टाइल को एक अलग ही नाम दिया, जिसे इंग्लिश फैंस शायद पसंद करें। वॉन का यह नया नाम बेन स्टोक्स की बैजबॉल शैली पर तंज की तरह है।रांची में जारी सीरीज के चौथे मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। मगर यही बैजबॉल की आक्रामक शैली में बल्लेबाजी करने के चलते टीम पहले सेशन में 112 के स्कोर पर अपने 5 विकेट गंवा बैठी। इन 5 विकेट में कप्तान बेन स्टोक्स का भी विकेट शामिल था। उस समय ऐसा लग रहा था कि दूसरे सेशन के पहले घंटे में ही इंग्लैंड का बंटाधार हो जाएगा और पूरी टीम 200 के अंदर सिमट जाएगी।मगर जो रूट ने दूसरे सेशन में टीम को संभाला और बेन फोक्स के साथ मिलकर 6ठे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी की। रूट जब बैजबॉल की शैली में बैटिंग कर रहे थे तो पहले तीन टेस्ट में वह एक भी बार 30 रन का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे, मगर जैसे ही उन्होंने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करना शुरू की तो उन्होंने अर्धशतक ठोक दिया।रांची टेस्ट की पहली पारी में जो रूट ने 108 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ सीरीज का पहला अर्धशतक जमाया। यह भारत के खिलाफ उनका 11वां तो कुल 61वां अर्धशतक है।

ग्लेन मैक्सवेल ने एरोन फिंच का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, T20I में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाज बने

नई दिल्ली.एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। वेलिंग्टन में खेले गए मुकाबले में ग्लेन मैक्सवेल सस्ते में पवेलियन लौटे। लेकिन उन्होंने अपनी पारी में एक छक्का लगाकर बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20 इंटरनेशनल में सर्वाधिक छक्का लगाने वाले खिलाड़ी बन गए है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में ग्लेन मैक्सवेल ने 4 गेंद में 6 रन बनाए। अपनी पारी में उन्होंने एक छक्का लगाया, जिसकी बदौलत वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टी20

अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी बने हैं। उनके नाम टी20 इंटरनेशनल में 126 छक्के हो गए हैं। मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच को पीछे छोड़ा। जिन्होंने 125 छक्के लगाए थे। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने 113 छक्के लगाए हैं। शेन वॉट्सन ने 83 छक्के जड़े हैं। मिचेल मार्श के नाम 66 छक्के हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 19.5 ओवर में सभी विकेट खोकर 174 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड ने सर्वाधिक 45 रन बनाए। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी ने चार विकेट चटकाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए। न्यूजीलैंड की टीम 17 ओवर में सभी विकेट खोकर 102 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड के लिए ग्लेन फिलिप ने सर्वाधिक 42 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जंपा ने 4 विकेट चटकाए। कॉनवे चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतर सके।

India vs Pakistan T20 वर्ल्ड कप 2024 मैच की टिकटों को लेकर महासंग्राम, USA के लोग भी हैं एक्साइटेड

वर्ल्ड कप 2024 मैच की टिकटों को लेकर महासंग्राम देखने को मिला है। रिपोर्ट्स की मानें तो जितनी टिकटें आईसीसी ने रिलीज कीं, उससे 200 गुना ज्यादा लोग इन्हें हासिल करना चाहते थे।

नई दिल्ली.एजेंसी

इंडिया वर्सेस पाकिस्तान क्रिकेट मैच के लिए हर कोई एक्साइटेड रहता है। 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच जंग देखने को मिलेगी। यूएसए में ये मैच खेला जाएगा, जो टी20 वर्ल्ड कप 2024 का हिस्सा होगा। इस मैच की टिकटों को हासिल करने के लिए महासंग्राम देखने को मिला है, क्योंकि जितने टिकट आईसीसी ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के इस इंडिया वर्सेस पाकिस्तान लीग मैच के लिए जारी करने की योजना बनाई थी, उससे 200 गुना ज्यादा लोगों ने इसके लिए रजिस्ट्रेशन किया था। इस तरह लाखों लोगों को मायूसी हाथ लगी कि उनको टिकट नहीं मिला।

फोर्ब्स के मुताबिक, इंडिया वर्सेस पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप मैच के टिकट के लिए भारी डिमांड देखने को मिली। जून में यूएसए और वेस्टइंडीज में टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा और न्यूयॉर्क में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होगा। इस स्टेडियम की दर्शक क्षमता 34 हजार है, लेकिन इससे कई गुना ज्यादा लोगों ने इस मुकाबले की टिकट हासिल करने के लिए सब्सक्राइब किया था, लेकिन ज्यादातर लोगों को निराशा हाथ लगी है। भारत और पाकिस्तान के बीच एक लाख से ज्यादा की दर्शक क्षमता वाले नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप 2023 का मुकाबला हुआ था। वह मुकाबला भी सोल्ड आउट था।

अगर इस स्टेडियम की दर्शक क्षमता को भी एक लाख कर दिया जाए, फिर भी ये मैच सोल्ड आउट रहेगा, क्योंकि इंडिया वर्सेस पाकिस्तान मैच का क्रेज ही अलग होता है। अमेरिका में होने वाले 16 मैचों में से नौ के लिए कोई टिकट नहीं बचा है, जबकि डलास और फोर्ट लॉडरडेल भी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मैचों की मेजबानी कर रहे हैं। जैसा कि अपेक्षित था, 9 जून को भारत-पाकिस्तान मैच के लिए जबरदस्त उत्साह था, जिसे इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल यानी के अनुसार अभी तक आवंटित टिकटों से 200 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया गया था।

आकाश दीप को डेब्यू टेस्ट कैप थमाते हुए राहुल द्रविड़ की स्पीच हुई वायरल, आप भी नहीं रोक पाएंगे आंसू

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने आकाश दीप को डेब्यू टेस्ट कैप थमाई, इससे पहले उन्होंने जो स्पीच दी, वो काफी वायरल हो रही है। द्रविड़ ने बताया कि किन मुश्किलों के बाद आकाश यहां तक पहुंचे।

नई दिल्ली.एजेंसी

टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने रांची में आकाश दीप को डेब्यू टेस्ट कैप थमाई। जसप्रीत बुमराह की जगह आकाश दीप को प्लेइंग XI में शामिल किया गया। आकाश दीप ने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में पहले दिन लंच ब्रेक से पहले तक तीन विकेट चटका लिए थे। आकाश दीप के डेब्यू के समय राहुल द्रविड़ ने जो स्पीच दी, वह खूब वायरल हो रही है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से पूरी स्पीच शेयर की है।

टीम इंडिया के हेड कोच ने आकाश दीप को डेब्यू टेस्ट कैप थमाते हुए कहा, आकाश जो आपकी जर्नी शुरू हुई है, वो एक छोटे से गांव बड़ी से शुरू हुई। वहां से 200 किमी दूर से शुरू हुई। इस जर्नी में आपने बहुत कष्ट सहन किए हैं, बहुत मेहनत की है, बहुत ऊपर-नीचे देखा है। बड़ी से आप दिल्ली गए, अकेले क्रिकेट खेलने के लिए, 2007 टी20 वर्ल्ड कप से प्रेरणा लेकर। वहां पर अकेले रहे, बहुत कोशिश की, दिल्ली में आपका सिलेक्शन नहीं हुआ तो आप कोलकाता गए। डोमेस्टिक क्रिकेट खेला आपने, मैदान पर बहुत अच्छी परफॉर्मेंस दी। और आपकी ये जो जर्नी है, ये पूरा घूमकर आपको रांची ले आई है, जो आपके गांव से महज 200 किमी दूर है।

राहुल द्रविड़ ने आगे कहा, और यहां पर आपको ये इंडिया कैप मिलने वाला है, बहुत खुशी की बात है कि आज के दिन आपकी मम्मी यहां पर हैं, आपके परिवार के कुछ लोग यहां मौजूद हैं। दुख की बात ये है कि आपके पिता और बड़े भाई नहीं रहे। लेकिन वो जहां भी हैं, ऊपर से आपको आशीर्वाद दे रहे हैं। उनके साथ हमारी पूरी टीम आपको शुभकामनाएं देती है। एन्जॉय करो, ये मैच एन्जॉय करो, यहां तक पहुंचने के लिए आपने बहुत मेहनत की है और यह आपका सपना रहा है। और हमें बहुत खुशी हो रही है कि आपके ये ड्रीम पूरा करने में आज हम आपके साथ हैं। ये पांच दिन और पूरा करियर आप खूब एन्जॉय करो। बहुत खुशी के साथ मैं नंबर 313 टेस्ट कैप आपको देता हूं।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Front Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ देहरादून ▸ 24 फरवरी 2024 ▸ पृष्ठ 08 ▸ आरएनआई: UTTHIN / 2009 / 31653

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

नहीं थम रहा संदेशखाली में बवाल

अब ग्रामीणों ने तृणमूल कांग्रेस नेता को पीटा

हंगामा

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता: पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब खबर है कि ग्रामीणों ने शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के एक नेता अजीत मैती के साथ मारपीट की है। इसका वीडियो भी सामने आया है।

बेरमाजपुर गांव में ग्रामीणों का प्रदर्शन जारी: संदेशखली के बेरमाजपुर गांव में भी आज ग्रामीणों ने अपना प्रदर्शन जारी रखा। पिछले दस दिनों से ज्यादा समय से इलाके

में तनाव बना हुआ है। दक्षिण बंगाल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सुप्रतिम सरकार और बारासात रेंज के उप महानिरीक्षक भास्कर मुखर्जी अपनी टीम के साथ ग्रामीणों को शांत करने के लिए पहुंचे।

महिला ने पुलिस से पूछा- आप अब तक कहां थे? एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा, हम दर्द के मारे यह कह रहे हैं। वे (टीएमसी नेता शाहजहां शेख के सहयोगी) हमारे घरों में क्यों घुस रहे हैं? वे मेरे ससुराल वालों को धमका रहे हैं। वे ऐसा क्यों कर रहे हैं? पुलिस ने स्थिति को शांत करने की कोशिश की और कहा कि वह स्थिति को हल करने के लिए कदम उठा रहे हैं। इस पर महिला ने सवाल उठाया, आप अब आ रहे हैं। आप पहले कहां थे?

तथ्य जुटाने के लिए एनएचआरसी की टीम पहुंची: इस बीच, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक टीम पीड़ितों से मिलने के लिए संदेशखाली के पतरापाड़ा पहुंची। टीम घटनास्थल पर पहुंचकर कथित हिंसक घटनाओं के तथ्यों का पता लगाने के लिए आई है। आयोग ने पाया है कि संदेशखाली की हालिया घटनाएं पहली नजर में मानवाधिकारों के उल्लंघन की ओर इशारा कर रही हैं, जैसा कि विभिन्न प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में रिपोर्ट किया गया है।

एनएचआरसी ने दो हफ्ते के भीतर मांगी रिपोर्ट: इससे पहले मंगलवार को एनएचआरसी ने पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया था। उनसे उस मामले में दो हफ्ते के भीतर मामले पर एक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया था।

'शाहजहां की गिरफ्तारी तक खत्म नहीं करेंगे प्रदर्शन'

टीम एक्शन इंडिया

कोलकाता: यौन उत्पीड़न और हिंसा के आरोपित फरार तृणमूल कांग्रेस नेता शेख शाहजहां तथा उसके करीबी सहयोगियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर संदेशखाली में शुक्रवार को महिलाएं फिर से लाठी और झाड़ू लेकर सड़कों पर उतर आईं। इससे इलाके में तनाव पैदा हो गया है। पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संदेशखाली में दो ग्राम पंचायतों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में धारा 144 के तहत नए निषेधाज्ञा लगा दी है, जहां शुक्रवार सुबह से सबसे अधिक तनाव था। अतिरिक्त पुलिस निदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार भारी पुलिस दल के साथ हिंसा प्रभावित क्षेत्र में पहुंच गए हैं। उन्होंने प्रदर्शनकारी महिलाओं से सड़कों पर विरोध करने के बजाय जिला प्रशासन से संपर्क करने और अपनी शिकायतें दर्ज कराने की अपील की। दूसरे वरिष्ठ पुलिसकर्मियों ने भी प्रदर्शनकारियों को समझाने का प्रयास किया कि इस तरह के विरोध प्रदर्शनों से उनकी शिकायतों को दूर करने की प्रक्रिया में देरी होगी। ईडी और सीएपीएफ के जवानों पर पांच जनवरी की सुबह हमले के आरोपित मास्टरमाइंड शेख शाहजहां के छोटे भाई शेख सिराजुद्दीन के स्वामित्व वाले मछलीपालन फार्म के भीतर एक गोदाम को स्थानीय लोगों द्वारा जलाए जाने के बाद गुरुवार शाम से संदेशखाली में तनाव व्याप्त था। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने शुक्रवार को फरार तृणमूल कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी के अलावा, शाहजहां और उसके सहयोगियों द्वारा अवैध रूप से और जबरदस्ती कब्जा की गई कृषि भूमि को वापस करने की भी मांग उठाई।

यूपी पेपर लीक की हो सीबीआई जांच: प्रियंका गांधी

टीम एक्शन इंडिया

नई दिल्ली: उत्तर प्रदेश में पेपर लीक को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। लखनऊ और प्रयागराज में छात्र सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। यूपी पुलिस भर्ती में परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो गया। आरओ, एआरओ पेपर लीक मामले को लेकर भी छात्रों में गुस्सा है। इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने यूपी पेपर लीक की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि दोषियों को खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस ने यूपी में भर्ती विधान पेश किया था जिसमें पेपर लीक और भर्तियों में भ्रष्टाचार रोकने के प्रावधान रखे गए थे। पेपर लीक संकट को देखते हुए हमारी मांग है कि हाल में हुई दोनों पेपर लीक की घटनाओं की सीबीआई जांच हो और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। एक परीक्षा कैलेंडर जारी हो, जिसमें विज्ञापन, परीक्षा, नियुक्ति की तारीखें दर्ज हों और इसका उल्लंघन होने पर सख्त कार्रवाई की जाए।

छात्रों में गुस्सा

यूपी पुलिस भर्ती में परीक्षा से पहले ही पेपर लीक हो गया। पेपर लीक मामले को लेकर भी छात्रों में गुस्सा है

भर्तियों के साथ आरक्षण में भ्रष्टाचार रोकने के लिए सामाजिक न्याय पर्यवेक्षक नियुक्त हों। युवाओं का भरोसा बहाल करने के लिए सभी परीक्षाओं के फॉर्म निशुल्क किए जाएं। परीक्षा देने के लिए युवाओं को फ्री बस और ट्रेन मुहैया कराई जाए।' कांग्रेस ने यूपी में भर्ती विधान पेश किया था जिसमें पेपर लीक और भर्तियों में भ्रष्टाचार रोकने के प्रावधान रखे गए थे। पेपर लीक संकट को देखते हुए हमारी मांग है- उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती की ओर से आयोजित सिपाही भर्ती परीक्षा में पेपर लीक का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को हजारों अभ्यर्थियों ने लखनऊ के ईको गार्डेन में प्रदर्शन किया।

'मैं भारत में आजाद और सुरक्षित हूं...'

कश्मीरी पत्रकार ने ब्रिटिश संसद में पाक दुष्प्रचार तंत्र की उड़ाईं धज्जियां

टीम एक्शन इंडिया

लंदन: कश्मीरी कार्यकर्ता याना मीर ने भारत की छवि को धूमिल करने के लिए पाकिस्तानी दुष्प्रचार तंत्र की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का हिस्सा है और वह वहां पूरी तरह से सुरक्षित और आजाद हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मीडिया से आग्रह किया कि वह केंद्र शासित प्रदेश के लोगों को बांटना बंद करे। मीर ब्रिटेन की संसद की ओर से आयोजित 'संकल्प दिवस' में यह बयान दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि वह मलाला यूसुफजई नहीं हैं, जिन्हें आतंकवाद

के गंभीर खतरों के कारण अपने देश (पाकिस्तान) से भागना पड़ा। उन्होंने कहा, भारत हमेशा आतंकवादी ताकतों के खिलाफ मजबूत और एकजुट रहेगा। पत्रकार याना मीर ने कहा, मैं मलाला यूसुफजई नहीं हूं। मैं अपने देश भारत में आजाद और सुरक्षित हूं। मेरी मातृभूमि कश्मीर भारत का हिस्सा है। मुझे कभी भी भागकर आपके देश में शरण लेने की

कड़ी निंदा

कश्मीरी कार्यकर्ता याना मीर ने भारत की छवि को धूमिल करने के लिए पाकिस्तानी दुष्प्रचार तंत्र की कड़ी निंदा की

जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं कभी मलाला यूसुफजई नहीं बनूंगी। मीर ने कहा, मुझे मलाला के बयानों पर आपत्ति हैं, क्योंकि वह मेरी प्रगतिशील मातृभूमि को पीड़ित कहकर बदनाम कर रही है।

बस पलटी, कई घायल

टीम एक्शन इंडिया

पलामू: हुसैनाबाद के बच्चों को नबीनगर (बिहार) लेकर जा रही नबी नगर डीएवी पब्लिक स्कूल की बस शुक्रवार की सुबह गोगो ठेंगों गांव के समीप पलट गई। बस में सवार दर्जनों बच्चों को गंभीर चोट आई है। अन्य कई बच्चे मामूली रूप से घायल हैं। अभिभावकों का आरोप है कि दो बस के बच्चों को एक ही बस में ठूंस कर स्कूल ले जाया जा रहा था।

नशे में था बस का चालक: अभिभावकों ने आरोप लगाया है कि बस का ड्राइवर शराब के नशे में था। उसे एक बार इसी वजह से हटाया भी गया था।

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से नीदरलैंड की रक्षा मंत्री से द्विपक्षीय चर्चा के दौरान।

Mohan Garg
9354212413

Jai Prakash Goyal
9811041323

India's Fifth Largest
Manufacturer Of Sanitaryware

SOMANY
TILES • BATHWARE

SOMANY DURAGRES

STRONG, Stylish
& LONG-LASTING

50 YEARS
LEADERSHIP IN
DESIGN AND INNOVATION

E-mail : bathjewels94@gmail.com

BATH JEWELS
K-6, KEWAL PARK EXTN.,
AZADPUR, DELHI-110033

Sagar Garg #7982107189 | Sanchit Garg #8383880905

MOHAN PAINTS & SANITARY STORE
K-6B, Kewal Park Extn., Azadpur, Delhi-110033
E-mail : mohanpaints.co.in@gmail.com

MARUTI
nandan printers

8 COLOUR
WEB OFFSET
MACHINE

Capacity : 36000 Copies per Hour
16 Broad Sheet Pages in One Go

THE
PRINTING HUB
COMPLETE
CTP UNIT
BASYS PRINT

Corporate Office : A-15, G. T. Karnal Road, Industrial Area, Delhi-110033
Phone : +91-9999889104, +91-9250706656, +91-11-47502546